INS ACCREDITED
यूंनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-195 | सांध्य दैनिक | मथुरा, बुधवार, 9 सितंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

महिलाओं का डिजिटल जुड़ाव बढ़ा, आर्थिक मजबूती भी आई

संस्थागत प्रसव बढ़ा, बच्चों के पोषण में भी सुधार

एनीमिया अब भी महिलाओं के स्वास्थ्य की बड़ी चुनौती

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति में पिछले वर्षों के दौरान कई सकारात्मक बदलाव सामने आए हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के चौथे और पांचवें चरण के आंकड़ों की तुलना से पता चलता है कि संस्थागत प्रसव, स्वास्थ्यकर्मियों की निगरानी में प्रसव और बैंकिंग सेवाओं तक महिलाओं की पहुंच बढ़ी है। बच्चों की पोषण स्थिति में भी सुधार दर्ज किया गया है। हालांकि महिलाओं में खून की कमी और पोषण से जुड़ी समस्याएं अब भी चिंता का विषय बनी हुई हैं।

मथुरा में संस्थागत प्रसव की दर वर्ष 2015—16 के 70.6 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2019—21 में 79.5 प्रतिशत हो गई। इस तरह करीब नौ प्रतिशत अंक की वृद्धि दर्ज की गई। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में होने वाले प्रसव की हिस्सेदारी भी 26.2 प्रतिशत से बढ़कर 36.9 प्रतिशत पहुंच गई। स्वास्थ्यकर्मियों की मौजूदगी में होने वाले प्रसव का आंकड़ा 75.5 प्रतिशत से बढ़कर 81.5 प्रतिशत हुआ। इससे महिलाओं की सुरक्षित प्रसव सेवाओं तक बढ़ती पहुंच का संकेत मिलता है। परिवार नियोजन के किसी न किसी साधन का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की हिस्सेदारी 57.1 प्रतिशत से बढ़कर 58.2 प्रतिशत हुई। हालांकि, आधुनिक साधनों के इस्तेमाल में मामूली गिरावट दर्ज की गई। यह आंकड़ा 43.8 प्रतिशत से घटकर 43.1 प्रतिशत रह गया। महिला नसबंदी का अनुपात भी 27.2 प्रतिशत से घटकर 23.5 प्रतिशत हुआ। स्वास्थ्यकर्मियों से परिवार नियोजन संबंधी जानकारी लेने वाली महिलाओं की संख्या भी बढ़ी है।

सीडीओ डा. पूजा गुप्ता का कहना है कि जिले में महिलाओं की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और आर्थिक भागीदारी में सुधार हुआ है। सुरक्षित प्रसव, बच्चों के पोषण और बैंकिंग सेवाओं का बढ़ता इस्तेमाल भी सकारात्मक संकेत हैं।

बच्चों के पोषण में सुधार

पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में कम वजन की समस्या 27.7 प्रतिशत से घटकर 21.3 प्रतिशत रह गई। बच्चों में ठिगनेपन की समस्या भी 40.8 प्रतिशत से घटकर 31.6 प्रतिशत हुई। इसी तरह अत्यधिक दुबलेपन का अनुपात 12.9 प्रतिशत से घटकर 11 प्रतिशत दर्ज किया गया। आंकड़े बताते हैं कि बच्चों के पोषण स्तर में पहले की तुलना में सुधार हुआ है।

एनीमिया बनी बड़ी परेशानी

महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों में खून की कमी अब भी शामिल है। पांचवें राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों में मथुरा समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में महिलाओं में खून की कमी का स्तर अधिक पाया गया। भारतीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान के एक अध्ययन में भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 15 जिलों में खून की कमी से जुड़े उच्च स्तर वाले क्षेत्र सामने आए हैं।

बैंकिंग सेवाओं से बढ़ा महिलाओं का आत्मविश्वास

महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की तस्वीर में भी बदलाव दिखाई दिया है। बैंक या बचत खाते का स्वयं इस्तेमाल करने वाली महिलाओं का अनुपात 60.6 प्रतिशत से बढ़कर 74.1 प्रतिशत हो गया। यानी करीब 13.5 प्रतिशत अंक की वृद्धि दर्ज हुई। छोटे ऋण आधारित योजनाओं का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की हिस्सेदारी भी 2.3 प्रतिशत से बढ़कर 5.3 प्रतिशत हुई।

पुलिस की सुस्ती से टूटा सब्र गिडोह की बहुएं करेंगी अनशन

पुलिस कार्रवाई से निराश पीड़िताओं ने खोला मोर्चा

ग्यारह सितंबर से शिव मंदिर पर करेंगी आमरण अनशन

यूनिक समय, कोसीकलां। गांव गिडोह की दो पीड़ित बहुओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए न्याय के लिए आर—पार की लड़ाई का ऐलान किया है। मुकदमे दर्ज होने के बावजूद करीब आठ महीने में एक भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज दोनों महिलाओं ने डीएम, एसएसपी और एसडीएम छाता को पत्र भेजकर 11 सितंबर को गांव के शिव मंदिर पर आमरण अनशन शुरू करने की चेतावनी दी है।

वंदना

ज्योत्सना

वंदना का आरोप है कि उसके पति निर्देश कुमार ने उत्तर प्रदेश पुलिस के फर्जी आरक्षी पहचान पत्र के सहारे उससे शादी की। शादी के बाद जबरन गर्भपात, धोखे से नसबंदी और उसकी जानकारी के बिना साढ़े चार करोड़ रुपये की दुर्घटना मृत्यु बीमा योजना लेने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज है। वंदना का यह भी आरोप है कि न्याय की गुहार इंटरनेट माध्यम पर रखने के बाद उसके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर दिया गया। वहीं, उड़ीसा निवासी ज्योत्सना पत्नी उमेश का आरोप है कि प्रेम विवाह के बाद दहेज की मांग को लेकर उसे ससुराल से निकाल दिया गया। न्याय की मांग को लेकर कोसीकलां में रहने के दौरान उसकी तस्वीर और वीडियो से छेड़छाड़ कर अश्लील सामग्री प्रसारित करने का आरोप भी लगाया गया है। इस संबंध में भी प्राथमिकी दर्ज होने की बात कही गई है।

दोनों महिलाओं का आरोप है कि रसूख के दबाव में पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने सभी मामलों की निष्पक्ष जांच, आरोपियों की गिरफ्तारी और पुलिस की भूमिका की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि 11 से शुरू होने वाला अनशन मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा।

जंक्शन से पांच माह का बच्चा लापता, तलाश में जुटी पुलिस

सेकेंड एंट्री के पास टीन शेड में सो रहा था दंपति

पास सो रहा संदिग्ध दंपति भी मौके से मिला गायब

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन की सेकेंड एंट्री के पास बने टीन शेड से पांच माह का बच्चा लापता हो गया। उन्नाव निवासी देवशंकर मिश्रा अपनी पत्नी और पांच माह के बेटे के साथ वहां सो रहे थे। उनके पास एक दंपती भी सो रहा था। सुबह बच्चे के गायब मिलने के साथ ही पास सो रहा दंपती भी वहां नहीं मिला। परिजनों ने इसकी सूचना थाना हाईवे पुलिस को दी। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने बच्चे की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, रात में किसी समय देवशंकर की पत्नी के पास सो रहा पांच माह का बच्चा गायब हो गया। नींद खुलने पर मां ने बच्चे को पास नहीं पाया। आसपास तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चला। परिजनों ने पास सो रहे दंपती की जानकारी पुलिस को दी है। पुलिस फिलहाल उनकी भूमिका की जांच कर रही है। थाना हाईवे पुलिस ने सेकंड एंट्री और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। इसके अलावा हाईवे पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग भी देखी जा रही है, ताकि बच्चे को ले जाने वाले व्यक्ति की पहचान और उसकी दिशा का पता लगाया जा सके।

जंक्शन पर पहले भी हो चुकी हैं घटनाएं

मथुरा जंक्शन पर पहले भी बच्चों के चोरी होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अगस्त 2022 में सात माह का बच्चा प्लेटफार्म से चोरी हुआ था, जिसे बाद में पुलिस ने बरामद किया। इस मामले में 2026 में अदालत ने एक दोषी को दस वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। सितंबर 2024 में भी जंक्शन के प्लेटफार्म से बच्चे के चोरी होने का मामला सामने आया था। उस घटना में भी सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की तलाश की गई थी।

कल से 25 सितंबर तक निशुल्क खाद्यान्न का होगा वितरण

कार्डधारकों को मिलेगी 18 रुपये किलो चीनी

पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को गेहूं, चावल और बाजरा

आधार से नहीं हो तो मोबाइल संदेश से मिलेगा राशन

यूनिक समय, मथुरा। अंत्योदय और पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों के लिए सितंबर माह में खाद्यान्न वितरण की प्रक्रिया 10 से 25 सितंबर तक चलेगी। इस दौरान अंत्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 35 किलोग्राम खाद्यान्न निशुल्क दिया जाएगा। इसके साथ ही तीन किलोग्राम चीनी 18 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर उपलब्ध कराई जाएगी।

जिला पूर्ति अधिकारी संजीव सिंह ने बताया कि अंत्योदय कार्डधारकों को 21 किलोग्राम गेहूं और 14 किलोग्राम चावल दिया जाएगा। इस तरह प्रत्येक कार्ड पर कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न मिलेगा। इसके अतिरिक्त तीन किलोग्राम चीनी निर्धारित रियायती दर पर दी जाएगी। पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को प्रति यूनिट तीन किलोग्राम गेहूं और दो किलोग्राम चावल मिलेगा। इसके अलावा प्रति यूनिट दो किलोग्राम गेहूं, एक किलोग्राम पोषक तत्वयुक्त चावल और दो किलोग्राम बाजरा निशुल्क दिया जाएगा। कार्डधारक दूसरे स्थान से भी राशन प्राप्त करने की सुविधा का लाभ ले सकेंगे, लेकिन इसके लिए संबंधित विक्रेता के पास पर्याप्त खाद्यान्न उपलब्ध होना जरूरी है।

क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी फूल सिंह ने बताया कि 25 सितंबर को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से राशन लेने में असमर्थ उपभोक्ताओं को मोबाइल पर प्राप्त एक बार इस्तेमाल होने वाले संकेतांक के जरिए खाद्यान्न लेने की सुविधा दी जाएगी। उचित दर विक्रेताओं को सुबह आठ से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर दो बजे से शाम छह बजे तक खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्डधारक निर्धारित अवधि में अपने संबंधित राशन विक्रेता से कार्ड पर देय खाद्यान्न प्राप्त कर सकते हैं। अंत्योदय कार्डधारकों को इसी दौरान चीनी भी दी जाएगी।

एक नजर कार्ड धारकों पर

पात्र गृहस्थी कार्ड धारक- 432759
लाभार्थियों की संख्या- 1671362
अंत्योदय कार्ड धारक- 41433
लाभार्थियों की संख्या-109694

श्रीकृष्ण की लीलाओं से सजे गीता शोध संस्थान के कैनवास

गीता शोध संस्थान में चित्रकारों के साथ सांसद हेमामालिनी।

हेमा मालिनी ने चित्रकारों की कलाकृतियां देखकर जमकर सराहा

सांसद बोलीं- तीन नहीं, पांच दिन का हो चित्रांकन शिविर

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं से जुड़ी भावनाओं और ब्रज संस्कृति के रंग बुधवार को गीता शोध संस्थान में कैनवास पर जीवंत हो उठे। तीन दिवसीय श्रीकृष्ण राष्ट्रीय कला कार्यशाला के समापन अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए 20 चित्रकारों ने अपनी विशिष्ट कला शैलियों में कृष्ण की बाल लीलाओं, राधा–कृष्ण प्रेम, माखन चोरी, गौ–प्रेम, बांसुरी वादन और गिरिराज धारण जैसे प्रसंगों को चित्रों में साकार किया।

समापन समारोह की अतिथि सांसद हेमा मालिनी ने प्रत्येक चित्रकार के पास पहुंचकर उनकी कलाकृतियों का अवलोकन किया। उन्होंने चित्रों के विषय और भाव को समझने के साथ कलाकारों से उनकी रचना के पीछे की कल्पना और कथा भी जानी। कृष्ण लीलाओं को रंगों के माध्यम से जीवंत देखकर वह काफी प्रभावित नजर आईं।

हेमा मालिनी ने कहा कि केवल दो दिनों में कलाकारों ने जिस तरह श्रीकृष्ण की लीलाओं को भावपूर्ण ढंग से कैनवास पर उतारा, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि ब्रज में भगवान श्रीकृष्ण की अनगिनत लीलाएं हुई हैं और उन्हें कला के माध्यम से सहेजने का यह प्रयास लगातार जारी रहना चाहिए। उन्होंने ब्रज तीर्थ विकास परिषद के अधिकारियों से भविष्य में कार्यशाला की अवधि तीन से बढ़ाकर पांच दिन करने का आग्रह किया।

कार्यशाला में पद्मश्री शांति देवी ने मधुबनी शैली में वासुदेव द्वारा बालकृष्ण को यमुना पार ले जाने का प्रसंग उकेरा। अलका दास ने मिथिला शैली में राधा–कृष्ण, जयेश त्रिवेदी ने गौ–प्रेम और डॉ. मनोज कुमार सिंह ने बंसी बजाते कृष्ण की छवि को चित्रित किया।

अन्य कलाकारों ने माखन चोरी, रासभाव, बालकृष्ण के वात्सल्य और गिरिराज धारण जैसे प्रसंगों को अपनी–अपनी शैली में प्रस्तुत किया। समापन पर ब्रज तीर्थ विकास परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन ने कलाकारों का आभार जताया। संचालन चंद्र प्रताप सिंह ने किया।

नंद के घर गूंजे बधाई गीत मथुरा में सजा कृष्ण दरबार

इलेक्ट्रिकल ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा इलेक्ट्रिकल ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में अग्रवाटिका में भव्य नंदोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन अध्यक्ष मुकेश सिंघल, उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, महामंत्री महेश चंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल और कार्यकारिणी के सदस्यों के प्रयासों से हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। बाल कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित मनमोहक नृत्य और नृत्य–नाटिका प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम में वासुदेव जी का स्वरूप धारण कर एक सदस्य भव्य लड्डू गोपाल की प्रतिमा को डलिया में रखकर मंच पर पहुंचे। इस दौरान अध्यक्ष मुकेश सिंघल नंद बाबा और उनकी पत्नी स्वाति सिंघल यशोदा मैया के स्वरूप में मौजूद रहीं। दोनों ने कान्हा का स्वागत किया। सदस्यों ने पुष्पवर्षा कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

ग्वाल–बाल और गोपियों के वेश में पहुंचे सदस्यों ने बधाई गीत गाकर उत्सव में रंग भर दिया। नंद बाबा-यशोदा मैया को बधाई देने वालों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। दधि–मटकी फोड़ कार्यक्रम में मानस पुत्र गोविंद अग्रवाल ने श्रीकृष्ण स्वरूप में मटकी फोड़कर माखन लुटाया। सदस्यों ने सपत्नीक डांडिया नृत्य कर उत्सव की खुशियां दोगुनी कर दीं।

इस अवसर पर संरक्षक कृष्ण स्वरूप सिंघल ने आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में संरक्षक गुरमुख दास, संरक्षक हरीश अग्रवाल, महामंत्री महेश चंद्र अग्रवाल तरौली वाले, कोषाध्यक्ष रमेश चंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, सत्यप्रकाश अग्रवाल, राजेन्द्र यादव, संजय बिंदल, संजय हरि इलेक्ट्रिकल सहित समस्त पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया।

अभियान चलाकर हटाए 36 अवैध होर्डिंग, जुर्माना लगाया

स्टेट बैंक चौराहे से महोली रोड तक नगर निगम की कार्रवाई

एक फर्म पर 50 हजार रुपये का जुर्माना,नोटिस जारी

यूनिक समय, मथुरा। नगर आयुक्त ओजस्वी राज के निर्देश पर बुधवार को नगर निगम की टीम ने स्टेट बैंक चौराहे से महोली रोड तक अवैध होर्डिंग हटाने का अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान छोटे–बड़े कुल 36 बोर्ड और होर्डिंग हटाए गए। अभियान से सड़क किनारे अवैध प्रचार सामग्री लगाने वालों में खलबली मची रही।

नगर निगम की टीम ने कार्रवाई के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर एक फर्म पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। फर्म को जुर्माने का नोटिस भी भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि शहर में बिना अनुमति लगाए गए होर्डिंग के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। अभियान में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र सिंह यादव सहित राजस्व विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

होर्डिंग्स हटाता नगर निगम का कर्मचारी।

मैक्स में भैंस ले जाते पांच चोर गिरफ्तार

चोरी की आधा दर्जन भैंस और पड़िया बरामद

देशी तमंचे- कारतूस और पच्चीस हजार रुपये मिले बरामद

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया पुलिस ने चेकिंग के दौरान बरेली- जयपुर हाईवे पर ग्राम भीमा गढ़ी के समीप एक टाटा मैक्स में चोरी की छह भैंस ले जाते हुए चोरों को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान इनके कब्जे से देशी तमंचे- कारतूस और पच्चीस हजार रुपये बरामद किए हैं।

राया पुलिस बरेली- जयपुर हाईवे पर गांव भीमा गढ़ी के समीप चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने वहां से जाती एक टाटा मैक्स को चेकिंग के लिए रोक लिया। टाटा मैक्स में छह भैंस भरी हुई थी। पुलिस को इन पर शक हुआ तो तलाशी की गई तलाशी में देशी तमंचे- कारतूस और पच्चीस हजार रुपये बरामद हुए। पुलिस ने इस मामले में अभियुक्त गोपाल निवासी छैछऊ थाना गौरई जनपद अलीगढ़, नेत्रपाल निवासी ओहावा थाना सुरीर, शान्ति स्वरूप निवासी गांव पवेसरा थाना राया, जीतू निवासी फतेहपुर थाना इगलास अलीगढ़, परशुराम गुर्जर निवासी भीमागढ़ी थाना शेरगढ़ को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, भैंस और पड़िया चोरी के दो मुकदमे थाना राया में दर्ज कराए गए हैं। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों को कोर्ट में पेश किया।

वृंदावन में गूंजा सनातन गौरव, अनुप्रिया को मिला रामायणी सम्मान

हनुमान अंश की निर्माता अनुप्रिया नागर को सम्मानित करते साधु–संत।

संतों ने आशीर्वाद देकर हनुमान अंश की युवा निर्माता के प्रयासों को सराहा

बाबा नीम करौरी के संदेशों को जन–जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

यूनिक समय, वृंदावन। बाबा नीम करौरी के पावन जीवन चरित्र पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' की युवा निर्माता अनुप्रिया नागर को बुधवार को वृंदावन में 'रामायणी सम्मान' से विभूषित किया गया। संतों ने अनुप्रिया को आशीर्वाद देते हुए भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और सनातन मूल्यों को सिनेमा के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाने के प्रयास की सराहना की। उन्होंने संत प्रेमानंद का भी आशीर्वाद लिया।

नगर के एक होटल में ब्रज के संत–महात्माओं, धर्माचार्यों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में रामायण रिसर्च काउंसिल की ओर से आयोजित समारोह में अनुप्रिया नागर के योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। 'हनुमान अंश' देशभर के सिनेमाघरों में दर्शकों के बीच अपनी पहचान बना रही है।

फिल्म के माध्यम से बाबा नीम करौरी के जीवन, उनके आध्यात्मिक संदेश और भारतीय आध्यात्मिक परंपरा को जनमानस तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। महज 21 वर्ष की उम्र में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रखने वाली अनुप्रिया मूल रूप से मुंबई की रहने वाली हैं। उन्होंने इंग्लैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ से अर्थशास्त्र की शिक्षा प्राप्त की है। आधुनिक शिक्षा और महानगरीय परिवेश से आने के बावजूद भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और संत परंपरा के प्रति उनकी आस्था समारोह में चर्चा का विषय रही। इस मौके पर अनुप्रिया ने संस्कृति और साधु- संतों के प्रति समर्पण भाव दर्शाया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति के प्रति समर्पण का सम्मान भी है। विगत 19 अगस्त को गोस्वामी तुलसीदास जयंती पर काशी हिंदू विश्वविद्यालय में देश की 28 महान विभूतियों को 'रामायणी सम्मान' से अलंकृत किया गया था। इसी सम्मान परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वृंदावन में अनुप्रिया नागर को सनातन मूल्यों और बाबा नीम करौरी के संदेशों को जन–जन तक पहुंचाने में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में संतों ने कहा कि भारतीय संस्कृति की शक्ति उसकी आध्यात्मिक विरासत और संत परंपरा में निहित है। ऐसे प्रयास नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं।

हिंदी कार्यशाला में राजभाषा के प्रयोग पर जोर

हिंदी कार्यशाला के दौरान रचनाकार को सम्मानित करते अधिकारी।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखाई हिंदी भाषा पर पकड़

यूनिक समय, मथुरा। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार मथुरा रिफाइनरी की ओर से बुधवार को नराकास के तत्वावधान में हिंदी कार्यशाला और प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें नराकास से जुड़े सदस्य कार्यालयों, मथुरा रिफाइनरी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ इंडियन ऑयल के राजभाषा गीत से हुआ। उद्घाटन सत्र में महाप्रबंधक कर्मचारी सेवाएं अभिनव गोस्वामी, मुख्य प्रबंधक कर्मचारी सेवाएं एमके उपाध्याय और वरिष्ठ प्रबंधक विवेक शर्मा मौजूद रहे। स्वागत संबोधन में अभिनव गोस्वामी ने कहा कि राजभाषा हिंदी प्रशासनिक कार्यों को सरल, सुगम और प्रभावी बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने डिजिटल युग में हिंदी के बढ़ते प्रयोग और इसकी उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला के प्रथम सत्र में वरिष्ठ अधिकारी हिंदी-सामाजिक उत्तरदायित्व दीपक कुमार साह ने राजभाषा नियमों और हिंदी समन्वयकों की भूमिका की जानकारी दी। दूसरे सत्र में काहूट माध्यम से लाइव हिंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान ब्रज रश्मि के रचनाकारों को प्रतिभागिता पुरस्कार प्रदान किए गए। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

राधाष्टमी पर होगी अचूक सुरक्षा व्यवस्था

बरसाना में राधाष्टमी को लेकर निरीक्षण करते प्रशासनिक अधिकारी।

मेला क्षेत्र को जोन और सेक्टरों में बांटा गया

भीड़ का संचालन बॉक्स फॉर्मेशन से किया जाएगा

यूनिक समय, मथुरा। राधाष्टमी को लेकर पुलिस और प्रशासन ने श्रीजी मंदिर सहित आस–पास के इलाके को जोन और सेक्टरों में विभाजित कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

18 और19 सितंबर को बरसाना में होने वाले राधाष्टमी पर्व को लेकर एसपी ग्रामीण सुरेशचंद रावत ने बताया कि राधारानी मंदिर पर होने वाले इस आयोजन के अवसर पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु राधा रानी के दर्शन करने के लिए आते हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पूरे मंदिर सहित इलाके को जोन और सेक्टरों में बांट कर सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए मंदिर और आस–पास के इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल और पीएसी के जवानों को तैनात किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मंदिर में भीड़ एकत्रित न हो, इसके लिए राधारानी मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश के लिए श्रीजी गेट और लाडो गेट (दोनों) की तरफ की छोटी और बड़ी सीढ़ियों से व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को दर्शन के बाद निकास केवल जयपुर मंदिर की तरफ से कराया जाएगा। भीड़ को नियंत्रण और संचालन के लिए बॉक्स फॉर्मेशन से श्रद्धालुओं का संचालन कराया जाएगा। जिससे भीड़ जमा न हो और दर्शन सुचारू और सुगमरूप से हों।

अधिकारियों ने देखे मेला के इंतजाम

राधाष्टमी से पूर्व एडीएम प्रशासन अवनीश कुमार, एसपी ग्रामीण सुरेशचंद रावत, एसडीएम सुशील कुमार सिंह, सीओ गोवर्धन अनिल कुमार सिंह, अधिषासी अधिकारी कल्पना बाजपेई, प्रभारी निरीक्षक सहित अन्य अधिकारियों ने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। तैयारियों को परखने के बाद अधिकारियों को सुझाव दिए।

पत्नी का हत्यारोपी पति गिरफ्तार हत्या में प्रयुक्त चुन्नी बरामद

ससुर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर भेजा न्यायालय

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार पुलिस ने पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चुन्नी भी बरामद की है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया।

पुलिस के अनुसार, यमुना विहार कॉलोनी की गली नंबर दो में रहने वाले जगदेव का किसी बात को लेकर पत्नी पूजा देवी से विवाद हो गया था। कहासुनी के दौरान आरोपी आक्रोशित हो गया और उसने चुन्नी से पत्नी का गला घोंट दिया। घटना के बाद घर में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

घटना की जानकारी मिलने पर पूजा देवी के पिता ने थाना यमुनापार में तहरीर देकर अपने दामाद जगदेव के खिलाफ बेटी की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी जगदेव को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में इस्तेमाल की गई चुन्नी बरामद की। पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। बुधवार को गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर आगे की कार्रवाई की गई।

बाइक सवार दो युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी

एक की इलाज के दौरान आगरा में हुई मौत

दोनों नौहझील में ठेल लगा कर लौट रहे थे

मृतक रतन सिंह गौतम का फाइल फोटो

यूनिक समय, सुरीर। नौहझील में ठेल लगा कर देर सांय घर लौट रहे दो बाइक सवार युवकों को नौहझील–राया मार्ग पर कोल्ड स्टोर के समीप अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर घायल हो गए। उपचार के दौरान एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई,दूसरे का उपचार चल रहा है।

थाना सुरीर के ग्राम भिदोनी निवासी रतन सिंह गौतम (21) और उमेश नौहझील में ठेल लगाने का काम करते थे। मंगलवार देर शाम दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक नौहझील–राया मार्ग स्थित कोल्ड स्टोर के समीप पहुंची, तभी राया की ओर से आ रहे अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल सीएचसी नौहझील पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने दोनों को जिला अस्पताल मथुरा रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में रतन सिंह की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने उसे आगरा एसएन मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। बुधवार सुबह उपचार के दौरान रतन सिंह गौतम की मौत हो गई, जबकि उसके साथी उमेश का उपचार जारी है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

नए बस स्टैंड के पास पत्नी और एक अन्य व्यक्ति पर मारपीट का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली थाना क्षेत्र में नए बस स्टैंड के पास एक व्यक्ति के साथ पत्नी और एक अन्य व्यक्ति द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। मामले में गोपाल नगर थाना हाईवे निवासी प्रशांत पाल ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

प्रशांत पाल के अनुसार वह एक सितंबर को करीब दोपहर एक बजे कचहरी से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान नए बस स्टैंड के पास उनकी पत्नी सचिन निवासी किरारई थाना फरह एक अज्ञात व्यक्ति के साथ स्कूटी से उनका पीछा करते हुए पहुंची। दोनों ने उन्हें रोक लिया। जब उन्होंने साथ आए व्यक्ति के बारे में पूछा तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि दोनों ने उनके साथ गाली–गलौज करते हुए मारपीट की। प्रशांत पाल का कहना है कि उन्होंने घटना की वीडियो बनाने का प्रयास किया, जिस पर आरोपियों ने उनका मोबाइल छीन लिया और वीडियो डिलीट कर मोबाइल जमीन पर पटक दिया। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी द्वारा पहले भी विवाद किए जाने की बात सामने आती रही है। जाते समय दोनों ने उन्हें धमकी भी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हनुमान तिराहे पर युवक से मारपीट, सात नामजद

यूनिक समय, वृंदावन। हनुमान तिराहे पर पैसे के लेनदेन को लेकर एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर थाना पुलिस ने सात नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में कृष्णा शर्मा निवासी ग्राम तेहरा, थाना जैंत ने बताया कि वह छह सितंबर की रात करीब 9:30 से 10 बजे के बीच गौरी गोपाल आश्रम अटल्ला चुंगी मार्ग से अपने घर की ओर जा रहा था। इसी दौरान आरोपियों ने उसे पैसे वापस करने के लिए हनुमान तिराहे पर बुलाया।

शिकायत के अनुसार, वहां पहुंचने पर पहले से मौजूद निर्दोष ठाकुर, कान्हा ठाकुर, सोहिब जाट, गगन, विजय, परीक्षित शर्मा और गौरव बघेल ने उसके साथ लाठी–डंडों से मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान धारदार हथियार से भी हमला किया गया, जान से मारने की धमकी दी गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्र होने लगे, जिसके बाद आरोपी वहां से चले गए। पीड़ित ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और उसका मेडिकल परीक्षण कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपों की जांच शुरू कर दी।

विवाहिता से मारपीट का आरोप पति समेत तीन पर मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोतवाली क्षेत्र की जनकपुरी निवासी रचना देवी ने अपने पति समेत तीन लोगों के खिलाफ मारपीट, गाली–गलौज और धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। शिकायत के आधार पर कोतवाली पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रचना देवी निवासी जनकपुरी के अनुसार, उसकी शादी वर्ष 2013 में संतोष कुमार के साथ हुई थी। महिला का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति द्वारा कई बार उसके साथ मारपीट की गई, लेकिन परिवार की खातिर उसने पहले शिकायत नहीं की। महिला ने बताया कि छह सितंबर की रात करीब साढ़े आठ बजे उसका पति शराब पीकर घर आया। शराब पीने से मना करने पर विवाद बढ़ गया और पति ने उसके साथ मारपीट की।

महिला का आरोप है कि इस दौरान पति ने उसके साथ मारपीट करने के साथ गंभीर धमकी भी दी। बचाव के लिए उसने अपनी सास सरोज देवी और ससुर विशम्बर से मदद मांगी, लेकिन आरोप है कि दोनों ने भी पति का साथ दिया। महिला के अनुसार घटना में उसके दांतों को भी नुकसान पहुंचा।

वृंदावन में नाबालिग किशोरी लापता, मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली थाना क्षेत्र से घर से दूध लेने गई करीब 16 वर्षीय किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। मामले में किशोरी के पिता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। किशोरी के पिता के अनुसार, छह सितंबर की रात करीब नौ बजे किशोरी घर से चाय बनाने के लिए दूध लेने गई थी। करीब 30 मिनट बाद भी जब वह नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ घर के आसपास भी तलाश की गई, लेकिन किशोरी का कोई पता नहीं चला। रात करीब एक बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया। बातचीत के दौरान किशोरी किसी व्यक्ति के दबाव में होने की बात सामने आई। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

दांतों की अनदेखी पड़ रही भारी,अस्पताल में बढ़े मरीज

जिला अस्पताल में दांत की जांच करते चिकित्सक डा. मनोज कुमार।

बच्चों के दूध के दांतों को भी न करें नजरअंदाज

दंत विशेषज्ञ ने अभिभावकों से बच्चों के दूध के दांतों की देखभाल को लेकर गंभीर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि दूध के दांत अस्थायी होने के कारण उनकी उपेक्षा करना ठीक नहीं है। इनमें संक्रमण या समय से पहले खराब होने की स्थिति आगे चलकर स्थायी दांतों के विकास को प्रभावित कर सकती है।

दिन में दो बार ब्रश करना जरूरी

डा. मनोज कुमार ने लोगों को सुबह और रात सोने से पहले नियमित रूप से ब्रश करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि दांतों और मसूड़ों की सही तरीके से सफाई जरूरी है। ब्रश को ऊपर-नीचे की दिशा में चलाकर दांतों की सफाई करने पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से मीठे खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित करने और समय-समय पर दंत चिकित्सक से जांच कराने की अपील की।

यूनिक समय, मथुरा। बदलती जीवनशैली और खान-पान का असर अब लोगों के दांतों और मसूड़ों पर भी दिखाई देने लगा है। जिला अस्पताल के दंत विभाग में दांतों और मसूड़ों की समस्या से परेशान मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। दंत विशेषज्ञ डा. मनोज कुमार के पास प्रतिदिन करीब 40 से 50 मरीज जांच और उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हैं।

रोजाना 40 से 50 मरीज पहुंच रहे जिला अस्पताल के दंत विभाग में

मीठा खान-पान और दांतों की सफाई में लापरवाही बनी मुख्य वजह

दंत रोग विशेषज्ञ के अनुसार,दांतों में कीड़े लगना, पायरिया, मसूड़ों से खून आना, दांतों में दर्द, ठंडा-गर्म लगना और मुंह से दुर्गंध आना सबसे आम समस्याएं हैं। बच्चों में दूध के दांत समय से पहले खराब होने के मामले भी सामने आ रहे हैं। उनका कहना है कि शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज करना आगे चलकर गंभीर परेशानी का कारण बन सकता है।

डा. मनोज कुमार ने बताया कि दांतों की बीमारियों का प्रमुख कारण मुंह की नियमित सफाई न करना है। दांतों पर जमा गंदगी और बैक्टीरिया धीरे-धीरे मसूड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे मसूड़ों में सूजन, खून आना और बाद में दांतों के कमजोर होने की समस्या पैदा हो सकती है। उन्होंने बताया कि चॉकलेट, टॉफी और अधिक मात्रा में मीठे और परिष्कृत चीनी वाले खाद्य पदार्थों का सेवन भी दांतों में कीड़े लगने का बड़ा कारण है। खासकर बच्चों में मीठे पदार्थों के लगातार सेवन के बाद दांतों की सफाई न होने से समस्या तेजी से बढ़ सकती है।

प्रतीक्षालय में गिरी छत बाल-बाल बचे यात्री

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्रतीक्षालय में बुधवार दोपहर अचानक छत का प्लास्टर भरभराकर नीचे गिर गया। तेज आवाज के साथ मलबा गिरते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। प्रतीक्षालय में मौजूद यात्री घबराकर बेंचों और आसपास के स्थानों से उठकर सुरक्षित जगह की ओर भागने लगे। कुछ देर के लिए मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। गनीमत रही कि गिरा हुआ मलबा किसी यात्री के ऊपर नहीं गिरा और बड़ा हादसा टल गया।

बताया गया कि दोपहर के समय प्रतीक्षालय में यात्रियों की अच्छी-खासी भीड़ थी। यात्री अपनी ट्रेनों के आने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान अचानक छत के एक हिस्से का प्लास्टर तेज आवाज के साथ टूटकर नीचे आ गिरा। मलबा गिरते ही यात्रियों में दहशत फैल गई और लोग प्रतीक्षालय से बाहर निकलने के लिए तेजी से भागे।

तेज आवाज के साथ मलबा गिरते ही यात्री सुरक्षित स्थानों की ओर भागे

रेलवे अधिकारियों ने निरीक्षण कर कमजोर छतों की जांच शुरू की

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने प्रतीक्षालय का निरीक्षण कर गिरे हुए प्लास्टर और मलबे को हटवाया। इसके साथ ही स्टेशन परिसर में बने अन्य कमरों और कार्यालयों की छतों की स्थिति भी देखी गई। अधिकारियों ने कमजोर हिस्सों को चिन्हित कर आवश्यक मरम्मत कराने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो। घटना में किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है।

विश्व साक्षरता दिवस पर बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली

विश्व साक्षरता दिवस पर रैली निकालते बच्चे।

यूनिक समय, मथुरा। विश्व साक्षरता दिवस पर जस्टिस फॉर चिल्ड्रन स्ट्रीट स्कूल निःशुल्क शिक्षा केंद्र के बच्चों ने शिक्षा-बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रैली निकाली। रैली पन्ना पोखर से शुरू होकर इंडस्ट्रियल एरिया होते हुए गोपाल नगर तक पहुंची।

रैली के दौरान बच्चों ने हाथों में जागरूकता संदेश लिखी तख्तियां लेकर भोजन, खेल, पढ़ाई, प्यार-यह सब बच्चों के अधिकार जैसे नारों के साथ लोगों को जागरूक किया। बच्चों ने शिक्षा के महत्व और बाल अधिकारों से जुड़े विभिन्न संदेश भी दिए। संस्था के अध्यक्ष सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा के साथ-साथ पौष्टिक भोजन, खेल, सुरक्षा और प्यार का अधिकार मिलना चाहिए। बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें शिक्षा से जोड़ना समाज की जिम्मेदारी है। रैली में प्रीति राजपूत, कुमकुम राजपूत, प्रभात शर्मा, महक सहित शिक्षा केंद्र के बच्चे और सहयोगी मौजूद रहे। रैली के माध्यम से लोगों से आह्वान किया गया कि वे हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ने और उसके अधिकारों की रक्षा करने में अपना योगदान दें।

दो अज्ञात लोगों ने किशोर से की मारपीट, दी जान से मारने की धमकी

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली थाना क्षेत्र में घर से काम के लिए जा रहे किशोर के साथ दो अज्ञात लोगों द्वारा मारपीट और अभद्रता किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शिकायतकर्ता रिश्री कजल निवासी बाल्मीकि बस्ती अंतापाड़ा कोतवाली ने पुलिस को बताया कि वह सात सितंबर को दोपहर करीब 3:30 बजे अपने घर के काम से जोगी गली, अंतापाड़ा से जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में दो अज्ञात लोगों ने उसे रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि दोनों ने उसके साथ मारपीट की।

शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उस को बचाया। भीड़ को आता देखकर दोनों आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गए। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने दोबारा मिलने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों की पहचान और घटना की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है।-

जगन्नाथपुरी से मोटरसाइकिल चोरी

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर की जगन्नाथपुरी क्षेत्र में दुकान के समीप खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित हरिकृष्ण यादव निवासी गली राजकुमार मंडी रामदास ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह कृष्ण जन्मस्थान पर दुकान चलाते हैं। चार सितंबर को उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल पैशन प्रो दुकान के समीप खड़ी की थी। रात करीब नौ बजे से 12 बजे के बीच अज्ञात चोर मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया। घटना की जानकारी होने पर उन्होंने डायल 112 पर सूचना दी। इसके बाद उन्होंने अपने स्तर से मोटरसाइकिल की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जमीन पर कब्जे के प्रयास और धमकी का आरोप, मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। गोविंद नगर थाना क्षेत्र में जमीन पर कब्जे के प्रयास और धमकी देने का मामला सामने आया है। मामले में सूरज निवासी नगला खेड़ा ग्राम मौजा पानीगांव बांगर थाना जमुनापार की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना से संबंधित मामला बिरला मंदिर के पास 15 जून की शाम करीब 7:30 बजे का बताया गया है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शिकायतकर्ता और उसके परिवार की जमीन से संबंधित विवाद को लेकर कुछ लोगों द्वारा दबाव बनाया जा रहा था। शिकायतकर्ता के अनुसार, जमीन का क्षेत्रफल करीब 2510 वर्ग मीटर है। दस्तावेजों में संपत्ति को लेकर पूर्व में बिक्री और स्वामित्व संबंधी प्रक्रिया का भी उल्लेख किया गया है। शिकायत के अनुसार, 11 अप्रैल को कुछ अज्ञात भू-माफिया द्वारा हथियारों के बल पर जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किए जाने की बात सामने आई थी।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि 15 जून की शाम कुछ लोगों ने उसे रोककर जान से मारने की धमकी दी और गाली-गलौज की। आरोपियों द्वारा जमीन के संबंध में पैसों की मांग किए जाने की बात भी शिकायत में कही गई है। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर उसे बचाया। इसके बाद मामले में कार्रवाई के लिए शिकायत की गई।

सीसी क्लब के नवीन पदाधिकारियों ने ली शपथ

यूनिक समय, मथुरा। स्थानीय होटल में मंगलवार शाम सीसी क्लब के नवीन पदाधिकारियों के चयन और शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। क्लब के चुनाव में पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने क्लब के संरक्षकों और सदस्यों की मौजूदगी में अपने पद और दायित्व की शपथ ली।

समारोह में अध्यक्ष बीके, उपाध्यक्ष बीके और सचिव अनिल अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों का चयन किया गया।

क्लब के अध्यक्ष केपी शर्मा ने संरक्षकों की मौजूदगी में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद-दायित्व की शपथ दिलाई। समारोह के दौरान पूर्व अध्यक्ष मनोज अग्रवाल कोल्हापुरी,

कार्यक्रम के दौरान संरक्षक को सम्मानित करते पदाधिकारी।

संरक्षकों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से हुआ पदाधिकारियों का चयन

पूर्व पदाधिकारियों ने नवीन टीम को सौंपा क्लब का कार्यभार

पूर्व सचिव राजेश अग्रवाल 'राजू' और पूर्व कोषाध्यक्ष राजकुमार सर्राफ ने नवीन पदाधिकारियों को क्लब की जिम्मेदारियां-कार्यभार सौंपा। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने क्लब की गतिविधियों को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने के साथ सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में संरक्षक कुंवर नरेंद्र सिंह रामसरीन अधिवक्ता, श्रीपाल शर्मा, मनोज शर्मा, महेंद्र चौधरी, डॉ. अशोक अग्रवाल, विनोद खंडेलवाल, विपिन अग्रवाल, कन्हैया, आशीष भाटिया, ज्ञानदीप, गिरधारी लाल पाठक, राजीव अग्रवाल, गोविंद शर्मा, पुरुषोत्तम अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल सहित क्लब के अनेक सदस्य मौजूद रहे। सदस्यों ने नवीन पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और क्लब की एकता, आपसी भाईचारे और सामाजिक गतिविधियों को मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

PUBLIC NOTICE

"Notice is hereby given that IANINA BUGAIENKO daughter of PAVLO BUHAIENKO is applying to the Secretary to the Government of India in the Ministry of Home Affairs for naturalization and that any person who knows any reason why naturalization should not be granted should send a written signed statement of the facts to the said Secretary."

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

औचक निरीक्षण में मिलीं खामियां, शिक्षकों को नोटिस

बीएसए ने पांच परिषदीय विद्यालयों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया

लापरवाही पर कारण बताओ नोटिस, कमियां तत्काल दूर करने के निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं की हकीकत परखने के लिए बीएसए ने बुधवार को छाता और नंदगांव विकासखंड के विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को लेकर संबंधित शैक्षणिक स्टाफ को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। साथ ही निर्धारित समय में स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए।

बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने विकासखंड छाता के उच्च प्राथमिक विद्यालय नगला मेवाती, प्राथमिक विद्यालय नगला बंजारा और उच्च प्राथमिक विद्यालय धमसींगा का निरीक्षण किया। इसके बाद नंदगांव विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय सुरवारी और उच्च प्राथमिक विद्यालय जरैला पहुंचकर विद्यालयीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान शिक्षकों की उपस्थिति, छात्र–छात्राओं की उपस्थिति, पठन–पाठन की स्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यालय में उपलब्ध व्यवस्थाओं को देखा गया। अपेक्षा के अनुरूप कार्य न मिलने और विभिन्न कमियां पाए जाने पर संबंधित शिक्षकों- शैक्षणिक स्टाफ से जवाब मांगा गया।

बीएसए ने प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को विद्यालयों में मिली कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के साथ शिक्षण कार्य को प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण बनाया जाए। विद्यालय की सभी व्यवस्थाएं शासन की मंशा के अनुरूप दुरुस्त रखी जाएं।

बीएसए ने स्पष्ट किया कि परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लापरवाही या अनियमितता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि विद्यालयों का औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेगा और कमियां मिलने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जीएलए के रौनक लंदन में पढ़ेंगे बैरिस्टर की पढ़ाई

क्यून मैरी लॉ विश्वविद्यालय में मिलेगा विधि शिक्षा का अवसर

जीएलए के छात्र रौनक उपमन्यु के साथ कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता और सीएफओ डॉ. विवेक अग्रवाल।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रतिभाशाली छात्र रौनक उपमन्यु अब लंदन में बैरिस्टर की पढ़ाई करेंगे। उनकी उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें लंदन की क्यून मैरी लॉ यूनिवर्सिटी में विधि की उच्च शिक्षा का अवसर मिला है। पढ़ाई और अन्य शैक्षणिक खर्च जीएलए विश्वविद्यालय द्वारा वहन किए जाएंगे। रौनक गुरुवार को लंदन के लिए रवाना होंगे।

रौनक ने राष्ट्रीय स्तर की बहस और युवा संसद प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने देशभर में आयोजित सैकड़ों प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और 312 बार प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस वर्ष उन्होंने महज आठ महीने में 58 प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार हासिल किए। इसके अलावा कई प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका भी निभाई।

रौनक ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की समेत कई प्रतिष्ठित संस्थानों की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करने पर उन्हें केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सम्मानित किया था। अन्य प्रतियोगिताओं में भी उन्हें प्रमुख नेताओं और शिक्षाविदों ने सम्मानित किया।

जीएलए के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने कहा कि रौनक की उपलब्धि उनकी प्रतिभा, परिश्रम और विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है। कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि लंदन में उच्च शिक्षा का अवसर उनकी प्रतिभा को वैश्विक मंच देगा। मुख्य वित्त अधिकारी डॉ. विवेक अग्रवाल ने भी उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विधि संकाय के डीन प्रो. सोमेश धमीजा ने रौनक को बधाई दी। रौनक, वरिष्ठ अधिवक्ता- ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष डॉ. कमलकांत उपमन्यु के सुपुत्र हैं।

जेसीआई मथुरा कालिंदी ने बांटी स्टील की बोतलें

स्टील की बोतल बांटतीं जेसीआई मथुरा कालिंदी की सदस्य।

सतत जीवनशैली दिवस पर लोगों को दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई मथुरा कालिंदी की ओर से जेसी सप्ताह के पहले दिन सतत जीवनशैली दिवस के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लोगों को प्लास्टिक की बोतलों के विकल्प के रूप में स्टील की बोतलें वितरित की गईं। कार्यक्रम नगर आयुक्त ओजस्वी के संरक्षण में आयोजित हुआ। इस दौरान संस्था की अध्यक्ष चेतना बंसल, सचिव किरण माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष रूपाली गर्ग सहित निधि शर्मा, रजनी मालपानी, मामिता सिंह और गुंजन अग्रवाल मौजूद रहीं। कार्यक्रम में लोगों को नाश्ता और शरबत भी वितरित किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि दैनिक जीवन में स्टील की बोतलों के उपयोग से प्लास्टिक पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

घर में घुसकर मारपीट का आरोप, छह लोगों के खिलाफ मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में घर में घुसकर मारपीट, गाली–गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजपाल सिंह निवासी ओमनगर कॉलोनी सौख रोड पालीखेड़ा ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि चार सितंबर की शाम करीब पांच बजे कुछ लोग अचानक उसके घर पहुंच गए।

आरोप है कि आरोपितों ने घर में घुसकर उसके और परिवार के सदस्यों के साथ गाली–गलौज करते हुए लाठी–डंडों और लात–घूंसों से मारपीट की। मारपीट में उसे पसलियों में चोटें आईं, जबकि उसके भतीजे की आंख पर भी चोट लगी। पत्नी और बच्चों को भी चोटें आने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि घटना के दौरान उसे जान से मारने की धमकी दी गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच–बचाव किया। तहरीर में डालचंद, चेतन, सोनू, भोला, गोपाल और चंचल को आरोपी बनाया गया है।

एक रात में कई बसों की बैटरियां चोरी, सीसी कैमरे तोड़े

बस स्टैंड से सौंख रोड तक की वारदात, वाहन मालिकों में आक्रोश

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन में चोरों ने एक ही रात में आठ से 10 प्राइवेट बसों की बैटरियां चोरी कर लीं। चोरों ने गोवर्धन बस स्टैंड से लेकर बाईपास और सौंख रोड तक खड़ी बसों से चोरी की। चोरी से चालक और मालिकों में आक्रोश है। चोरों ने बचने के लिए सीसी टीवी कैमरे भी तोड़ दिए।

चोरों ने रात में बस स्टैंड से लेकर बाइपास और सौंख अड्डे तक सड़क किनारे खड़ी बसों की बैटरियां चोरी कीं। चोरों ने पुलिस से बचने के लिए सीसी कैमरे भी तोड़ दिए। चोरों ने इसके बाद आराम से कई बसों के लॉक और कटआउट खोलकर बैटरियां निकाल लीं। चोरी का पता बुधवार सुबह चला, जब बस चालक अपनी गाड़ियां लेकर स्टैंड पर पहुंचे। बस स्टार्ट न होने पर उन्होंने बोनट और बैटरी बॉक्स चेक किया। तब पता चला कि बैटरियां गायब हैं। आसपास खड़ी दूसरी बसों की बैटरियां भी चोरी हो चुकी थीं। पीड़ित बस मालिकों ने तुरंत 112 पर कॉल करके के सूचना दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी है। लिखित शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। बस ऑपरेटरों का कहना है कि इलाके में चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है।

ट्रैक्टर की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाइवे के जयगुरुदेव आश्रम के समीप स्कूटी सवार को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। इलाज के दौरान घायल की मौत हो गई।

धौलीप्याऊ निवासी कौशल सक्सेना (24) पुत्र मनीष सक्सेना बुधवार प्रातः स्कूटी से किसी काम से जा रहा था। हाइवे पर जयगुरुदेव आश्रम के समीप ट्रैक्टर ने स्कूटी को टक्कर मार दी। दुर्घटना में स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई और कौशल सक्सेना गंभीर घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने दुर्घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके साथ ही घायल को इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

युवक का परिवार उसकी मौत से गहरे सदमे में है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोविंदनगर पुलिस ने एक अभियुक्त को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। गोविंदनगर पुलिस ने महाविद्या कॉलोनी 80 फुटा रोड हरीश राघव की कोठी के सामने बनी झुग्गी के समीप से अभियुक्त विजय कुमार निवाली पालीखेड़ा थाना हाइवे को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की मोटर साइकिल बरामद की है।

बाइक चोर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। राया पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार, चार अगस्त को जितेंद्र सिंह निवासी नगला सुखराम थाना सहपऊ जिला हाथरस ने थाना राया में बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में जांच की तो बाइक चोरी करने वाले अभियुक्त रुस्तम सिंह उर्फ सत्यम निवासी नगला अकोश थाना बल्देव का नाम प्रकाश में आया। पुलिस ने उसे राया कट से ककरेटिया की ओर जाने वाले रास्ते से चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार कर लिया।

प्लास्टिक को छोड़कर पर्यावरण बचाने निकलीं पंखुड़ी सदस्य

कार्यक्रम में मौजूद जेसीआई मथुरा पंखुड़ी की सदस्याएं।

जेसी सप्ताह में लोगों को दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जेसी सप्ताह के पहले दिन महाविद्या क्षेत्र में हुआ आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई मथुरा पंखुड़ी की ओर से 77वें जेसी सप्ताह का शुभारंभ सेवा और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ किया गया। सप्ताह के प्रथम दिन महाविद्या क्षेत्र में 150 स्टील की बोतलें वितरित की गईं। संस्था ने लोगों को प्लास्टिक की बोतलों का इस्तेमाल छोड़कर दैनिक जीवन में स्टील की बोतलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान संस्था की सदस्यों ने लोगों को प्लास्टिक से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़े प्रयासों के साथ दैनिक जीवन में छोटे–छोटे बदलाव भी जरूरी हैं। प्लास्टिक की जगह दोबारा उपयोग की जा सकने वाली स्टील की बोतलों को अपनाने से प्लास्टिक कचरे को कम करने में मदद मिल सकती है।

इस अवसर पर जेसीआई मथुरा पंखुड़ी की अध्यक्ष देवांगी खंडेलवाल, सचिव परिधि और कोषाध्यक्ष दीपिका के साथ कंचन, रीतिका, अर्चना, अनीता, प्रिया, मीनल, रेखा, पूजा और कृतिका सहित अन्य सदस्य मौजूद रहीं। संस्था पदाधिकारियों ने बताया कि 77वें जेसी सप्ताह के आगामी दिनों में भी विभिन्न सामाजिक और सेवा कार्य आयोजित किए जाएंगे, जिससे समाजसेवा के साथ पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा।

नशा करने से मना करने पर दी जान से मारने की धमकी, फायरिंग का आरोप

यूनिक समय, फरह। थाना क्षेत्र में घर के पास कॉलोनी में नशा करने से मना करने पर विवाद और फायरिंग का मामला सामने आया है। मामले में प्रताप सिंह निवासी पीपी कुंज की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना आठ सितंबर की रात करीब 8:30 बजे की बताई गई है। प्रताप सिंह का आरोप है कि उनके घर के पास कॉलोनी में मनीष निवासी जलाल, धीरज निवासी रहीमपुर, गोविंद निवासी रहीमपुर, बनवारी निवासी कुरकंदा समेत आठ अज्ञात लोग शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन कर रहे थे। जब उन्होंने कॉलोनी में शराब पीने से मना किया तो आरोप है कि सभी लोग भड़क गए और एकराय होकर गाली–गलौज करने लगे।

प्रताप के अनुसार, आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। थाने में शिकायत करने की बात कहने पर मनीष ने अवैध पिस्टल से जान से मारने के इरादे से फायर कर दिया, जिससे वह बाल–बाल बच गए। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर उन्हें बचाया। इसके बाद उन्होंने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सार्वजनिक सूचना

मैं हेमा भंडारी पत्नी बलवंत सिंह भंडारी निवासी मं नं0 2 सिविल लाइंस सेक्टर-3 केनर कॉलोनी मथुरा सूचित करती हूँ कि मेरी एक रजिस्ट्री चेन जो महेश अग्रवाल द्वारा श्रीमती सरला देवी के पक्ष में दिनांक 06.06.2006 को निष्पादित बुक नंबर 1 जिल्द नंबर 3705 पेज नंबर 253-276 सीरियल नंबर 6347 प्लॉट नंबर 42-97.54 वर्गमीटर पर हुई थी, जोकि रास्ते में दि. 21.07.2026 को खो गयी है, जिसका प्रयोग अवैध होगा।

नगर निगम कार्यालय में लगी आग, कर की फाइलें जलीं

सफाई के दौरान बिजली का स्विच चलाते ही भड़की चिंगारी

दमकल ने मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

यूनिक समय, आगरा। आगरा नगर निगम कार्यालय में बुधवार सुबह अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हादसा करीब 10 बजे कमरा नंबर 101 में हुआ। बताया गया कि सफाई के दौरान बिजली का स्विच चालू करते ही चिंगारी निकली और पास रखे कागजों ने आग पकड़ ली। कुछ ही देर में आग पर्दे तक पहुंच गई और कमरे से धुआं उठने लगा।

कमरा नंबर 101 में हरीपर्वत जोन का कार्यालय संचालित होता है। यहां कर से संबंधित कई महत्वपूर्ण फाइलें रखी हुई थीं। आग तेजी से फैलने के कारण फाइलों के साथ कमरे में रखा अन्य सामान भी इसकी चपेट में आ गया। धुआं देखकर कर्मचारियों को आग लगने की जानकारी हुई। इसके बाद कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी बाहर निकल आए।

घटना की सूचना तत्काल दमकल विभाग को दी गई। दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझाने के दौरान कमरे में पानी भर गया। समय रहते आग पर नियंत्रण होने से इसे अन्य कमरों तक फैलने से रोक लिया गया। आग की वजह से नगर निगम का कामकाज करीब एक घंटे तक प्रभावित रहा। दमकल कर्मियों के लौटने के बाद कर्मचारियों ने कार्यालय में प्रवेश किया और जरूरी कार्य शुरू किए। घटना की जानकारी मिलने पर अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार सहित नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने कमरे का निरीक्षण कर नुकसान का जायजा लिया। आग में कितनी फाइलें और कितना सामान जला है, इसका आकलन किया जा रहा है। आग लगने के कारणों की भी जांच की जा रही है।

हिंदी सप्ताह के पहले दिन किया राजकीय पुस्तकालय का भ्रमण

यूनिक समय, मथुरा। हिंदी दिवस पर किशोरी रमण महिला महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर पल्लवी सिंह के निर्देशन में हिंदी विभाग द्वारा हिंदी सप्ताह 14 सितंबर तक मनाया जा रहा है। सप्ताह के प्रथम दिवस पर मंगलवार को राजकीय पुस्तकालय में शैक्षिक भ्रमण किया गया। इस दौरान हिंदी विभाग प्रभारी प्रोफेसर निधि शर्मा और डॉ.ज्योतेश चौहान, रूमी जायसवाल, डॉ. शीला देवी और हिंदी विभाग की बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्राएं महक, खुशी,नेहा, दिव्या, मोना निमेष, दीक्षा राजपूत, संजना, करिश्मा, अंजली, पायल, नंदनी अग्रवाल, अनामिका और पंचम सेमेस्टर की छात्राओं खुशबू , राधा परमार, नंदनी वर्मा, तानिया, कृष्णा कश्यप, वंशिका, नंदनी, रिषिका, सुमन, खुशी राठौर ने पुस्तकालय की कार्य प्रणाली को समझा और विषय से सम्बंधित शोध सामग्री, शोध ग्रंथ और विभागीय पुस्तकों का अध्ययन किया । राजकीय पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ.शारदा मिश्रा ने छात्राओं को पुस्तकालय के नियम और अनुशासन से अवगत कराते हुए उनका मार्ग दर्शन किया।

युवती के लापता होने पर तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र से 19 वर्षीय युवती के लापता होने के मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रुनकता, सिकंदरा आगरा निवासी रजनी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री पांच सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे अपने ननिहाल मिर्जापुर, जिला मथुरा से लापता हो गई। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। महिला का आरोप है कि रुनकता निवासी जितू उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। तहरीर में काजल पत्नी दीपक और ज्योति पत्नी लोकेन्द्र निवासी रुनकता पर भी युवती को ले जाने में सहयोग करने का आरोप लगाया गया है। शिकायत में घर से 20 हजार रुपये ले जाने की बात भी कही गई है। शिकायत के आधार पर थाना हाईवे पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गीता जयंती एक्सप्रेस में महिला यात्री से मारपीट

कोच में विवाद के बाद महिला को लात-घूंसों से पीटा

रेलवे सुरक्षा बल ने जांच शुरू कर आरोपियों की तलाश की

यूनिक समय आगरा। गीता जयंती एक्सप्रेस के कोच में महिला यात्री से मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद रेलवे सुरक्षा तंत्र में हड़कंप मच गया। सामने आए वीडियो में महिला को फर्श पर गिराकर कुछ लोग थप्पड़ और लात-घूंसों से पीटते दिखाई दे रहे हैं। घटना के समय आसपास मौजूद यात्री भी नजर आ रहे हैं।

बताया जा रहा है कि यात्रा के दौरान किसी बात को लेकर महिला का कुछ यात्रियों से विवाद हुआ था। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और मामला हाथापाई तक पहुंच गया। आरोप है कि महिला को बचाने पहुंचे एक अन्य यात्री के साथ भी मारपीट की गई। हालांकि घटना किस स्थान और किस तारीख की है, इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मामले की जानकारी मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल ने जांच शुरू कर दी है। संबंधित कोच के निगरानी कैमरों की तस्वीरें खंगाली जा रही हैं। इसके अलावा ट्रेन में सवार यात्रियों की जानकारी जुटाकर मारपीट में शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार झांसी से आगरा मंडल तक मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। जांच में तथ्य सामने आने के बाद आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बिना डिग्री और पंजीकरण चल रहा था क्लीनिक, मुकदमा दर्ज

नोटिस के बाद भी संचालक ने इलाज करना जारी रखा

स्वास्थ्य विभाग की जांच में जरूरी दस्तावेज नहीं मिले

यूनिक समय, अलीगढ़। खैर-सोमना मार्ग पर बिना पंजीकरण और चिकित्सकीय डिग्री के क्लीनिक संचालित करने के आरोप में स्वास्थ्य विभाग ने संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. रोहित भाटी ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

शिकायत मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 20 अगस्त को क्लीनिक की जांच की थी। जांच के दौरान संचालक को नोटिस देकर 22 अगस्त तक क्लीनिक का पंजीकरण, चिकित्सकीय डिग्री और अन्य जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समय बीतने के बाद भी संचालक कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार संचालक के पास इलाज करने के लिए आवश्यक योग्यता और अनुमति नहीं थी। इसके बावजूद नोटिस दिए जाने के बाद भी क्लीनिक बंद नहीं किया गया और मरीजों का इलाज जारी रखा गया। विभाग ने इसे लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा माना।

अधीक्षक ने ऐंचना निवासी डॉ. भाफाकत उर्फ सगीर पुत्र रफाकत अली के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि मामले की जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवती के गले पर चाकू से वार

रास्ते में रोककर युवक ने विवाद के बाद किया हमला

घायल युवती निजी अस्पताल में भर्ती आरोपी की तलाश

यूनिक समय, आगरा। सिकंदरा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह काम पर जा रही युवती पर युवक ने चाकू से हमला कर दिया। आरोपी ने जेसीबी चौराहे के पास युवती को रास्ते में रोककर विवाद किया और उसके गले पर चाकू से वार कर दिया। घायल युवती सड़क पर गिर पड़ी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। बताया गया है कि युवती एक चिकित्सकीय उपकरण कंपनी में नौकरी करती है। आरोपी ओमकार और युवती की पहले से दोस्ती थी। दोनों के बीच कुछ समय से विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में इसी रंजिश के चलते हमला किए जाने की बात सामने आई है।

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायल युवती को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास लगे निगरानी कैमरों की तस्वीरें जुटाई हैं।

नगर पुलिस उपायुक्त अल्ली अब्बास ने बताया कि युवती खतरे से बाहर है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

अलीगढ़ में लापता 193 हिस्ट्रीशीटर की तलाश में जुटी पुलिस

दस दिन में पचास से अधिक अपराधियों का चला पता

सुराग देने वाली पुलिस टीम को मिलेगा प्रोत्साहन

यूनिक समय, अलीगढ़। जिले में पुलिस ने लापता हिस्ट्रीशीटरों की तलाश तेज कर दी है। पुलिस के अनुसार जिले में कुल 1976 हिस्ट्रीशीटर दर्ज हैं। सत्यापन अभियान के दौरान करीब 250 हिस्ट्रीशीटरों का पता नहीं चल रहा था। पिछले दस से बारह दिनों में पुलिस ने 50 से अधिक का पता लगा लिया है। अब 193 हिस्ट्रीशीटरों की तलाश बाकी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बताया कि सत्यापन के दौरान कई हिस्ट्रीशीटरों की मौत होने और कुछ के जेल में बंद होने की जानकारी भी मिली है। अब फरार या लापता लोगों के ठिकाने तलाशे जा रहे हैं।

सभी बीट सिपाहियों और संबंधित पुलिस टीमों को तलाश की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस को आशंका है कि कुछ अपराधी पहचान छिपाकर रह रहे हैं। हाल ही में नियुक्त करीब 700 नए सिपाहियों को भी अभियान से जोड़ा गया है। एसएसपी ने कहा कि लापता हिस्ट्रीशीटर का पता लगाकर सही सत्यापन करने वाली पुलिस टीम को प्रशस्ति पत्र और प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

चलती ट्रेन में चढ़ते समय फिसला पैर, बची यात्री की जान

ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंसा यात्री 50 मीटर घिसटा

जीआरपी जवानों ने दौड़कर खींचा बाहर आई मामूली चोट

यूनिक समय, आगरा। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर मंगलवार रात चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश एक यात्री की जान पर भारी पड़ गई। पैर फिसलने से यात्री ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया और करीब 50 मीटर तक घिसटता चला गया। इसी दौरान वहां तैनात राजकीय रेलवे पुलिस के दो जवानों ने तत्परता दिखाते हुए यात्री को खींचकर बाहर निकाल लिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज बुधवार को सामने आया है।

राजकीय रेलवे पुलिस के अनुसार मंगलवार रात करीब 9:35 बजे साबरमती एक्सप्रेस अहमदाबाद जाने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर पहुंच रही थी। जैतपुर कलां निवासी मुकेश गुजरात के पालनपुर में एक कारखाने में काम करता है। छुट्टी पर घर आया था और उसे 10 सितंबर को काम पर लौटना था। आठ सितंबर को वह अहमदाबाद जाने के लिए स्टेशन पहुंचा था।

ट्रेन के पूरी तरह रुकने से पहले ही मुकेश ने दरवाजे से अंदर चढ़ने का प्रयास किया।

उसने जैसे ही चलती ट्रेन का हैंडल पकड़ा, उसका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसल गया। वह ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंसकर घिसटने लगा। आसपास मौजूद यात्रियों ने शोर मचाकर मदद के लिए आवाज लगाई।

उस समय प्लेटफॉर्म पर तैनात प्रधान आरक्षी सतीश कुमार और आरक्षी अमित चौधरी ने यात्री को खतरे में देखा तो तुरंत उसकी ओर दौड़े। दोनों जवानों ने मुकेश को पकड़कर प्लेटफॉर्म की ओर खींच लिया। इससे उसकी जान बच गई। हादसे में उसे मामूली चोटें आईं। जीआरपी ने मौके पर प्राथमिक उपचार कराया और बाद में परिजनों को सूचना दी।

जीआरपी क्षेत्राधिकारी राजेश दीक्षित ने बताया कि यात्री की हालत अब ठीक है और परिजन उसे घर ले गए हैं। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि ट्रेन के पूरी तरह रुकने के बाद ही चढ़ें या उतरें। चलती ट्रेन पकड़ने का प्रयास न करें और प्लेटफॉर्म पर निर्धारित सुरक्षा रेखा के पीछे खड़े रहें।

यूनिक समय
मथुरा, बुधवार, 9 सितंबर 2026

सुविचार

परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता, उसका फल देर से सही लेकिन अवश्य मिलता है।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्दशी	02:43-10:33 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	मघा	03:14-02:04 तक	माह	भाद्रपद
सूर्योदय		6:12 AM	चन्द्रोदय	04:58 AM
सूर्यास्त		6:37 PM	चंद्रास्त	05:27 PM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त		11:51AM–12:41 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:35-05:23
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		12:24 PM: 01:57 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

राधा अष्टमी पर घर लाएं ये तीन चीजें, बरसेगी खुशहाली

यूनिक समय, मथुरा। राधा अष्टमी का पर्व राधा–कृष्ण की भक्ति और पूजा के लिए विशेष माना जाता है। इस दिन मंदिरों में पूजा–अर्चना के साथ घरों में भी विशेष धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, राधा अष्टमी पर कुछ शुभ वस्तुओं को घर लाने से सकारात्मक वातावरण, सुख–शांति और समृद्धि का भाव बना रहता है। इनमें मोर पंख, बांसुरी और तुलसी का पौधा प्रमुख माने जाते हैं। हालांकि इनसे जुड़े लाभ आस्था और परंपरा पर आधारित हैं।

भगवान कृष्ण के स्वरूप से मोर पंख का गहरा धार्मिक संबंध माना जाता है। इसी वजह से राधा अष्टमी पर नया मोर पंख घर लाने की परंपरा कई परिवारों में देखने को मिलती है। इसे राधा–कृष्ण की तस्वीर या मूर्ति के पास पूजा स्थल में रखना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर में

मोर पंख, बांसुरी और तुलसी से जुड़ी हैं धार्मिक मान्यताएं

मोर पंख और बांसुरी को माना जाता है शुभ

सकारात्मकता और शांति का वातावरण बना रहता है। मोर पंख को हमेशा साफ और सम्मानजनक स्थान पर रखने की सलाह दी जाती है।

इसी तरह बांसुरी भी भगवान कृष्ण से जुड़ी प्रिय वस्तु मानी जाती है। धार्मिक मान्यताओं में इसे प्रेम, मधुरता और आपसी सौहार्द का प्रतीक बताया गया है। राधा अष्टमी के दिन बांसुरी लाकर इसे राधा–कृष्ण के पास पूजा स्थल में रखा जा सकता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

हिंदू धर्म में तुलसी को पवित्र पौधा माना गया है। राधा अष्टमी के अवसर पर घर में तुलसी का पौधा लाना भी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि हरी–भरी तुलसी घर में सकारात्मक माहौल बनाए रखने में सहायक होती है।

हालांकि तुलसी का पौधा घर लाने के साथ उसकी नियमित देखभाल भी जरूरी है। उसे पर्याप्त धूप, समय पर पानी और स्वच्छ वातावरण मिलना चाहिए। सूखे पत्तों को हटाते रहना चाहिए। धार्मिक दृष्टि से तुलसी को श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इसे स्वच्छ और उचित स्थान पर रखना महत्वपूर्ण समझा जाता है।

राधा अष्टमी पर इन वस्तुओं को घर लाने का महत्व मुख्य रूप से धार्मिक आस्था और पारंपरिक मान्यताओं से जुड़ा है। इनका वास्तविक उद्देश्य श्रद्धा, सकारात्मक सोच और परिवार में सौहार्द की भावना को बढ़ावा देना है।

बेटे को यह छह सीख दें वरना दुनिया सिखाएगी

यूनिक समय, मथुरा। बेटे की परवरिश केवल पढ़ाई और करियर तक सीमित नहीं होनी चाहिए। बचपन में दिए गए संस्कार उसके व्यवहार और व्यक्तित्व की नींव तैयार करते हैं। सबसे पहले उसे हर व्यक्ति, खासकर महिलाओं के सम्मान और समानता का महत्व समझाना जरूरी है। इसके साथ अपनी गलती स्वीकार कर उसे सुधारने का साहस भी सिखाएं।

बच्चों को भावनाएं छिपाने के बजाय उन्हें समझना और व्यक्त करना सिखाना चाहिए। 'लड़के रोते नहीं' जैसी सोच उन्हें भावनात्मक रूप से कमजोर कर सकती है।

सम्मान से लेकर असफलता तक, बचपन में मिलें सही संस्कार

भावनाओं की समझ और आत्मनिर्भरता से मजबूत होगा व्यक्तित्व

इसी तरह छोटे–छोटे काम खुद करने की आदत आत्मनिर्भरता बढ़ाती है।

माता–पिता को बेटे को यह भी समझाना चाहिए कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने का अवसर है। इसके अलावा अपनी राय के साथ दूसरों की असहमति और नजरिए का सम्मान करना भी जरूरी है। ये छह सीख बच्चे को आत्मविश्वासी, संवेदनशील और जिम्मेदार इंसान बनाने में मदद कर सकती हैं।

घर पर बनाएं फूले कुरकुरे गोलगप्पे, अपनाएं ये उपाय

यूनिक समय, मथुरा। गोलगप्पे का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। बाजार जैसी फूली, कुरकुरी और गोल पूरियां घर पर बनाना मुश्किल नहीं है। बस आटा गूंथने से लेकर तलने तक कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सही तरीका अपनाने पर पूरियां अच्छी तरह फूलने के साथ देर तक कुरकुरी भी रह सकती हैं।

गोलगप्पे के लिए आटा न बहुत नरम रखें और न बहुत सख्त। पानी थोड़ा–थोड़ा डालकर आटा गूंथें और करीब 15 से 20 मिनट ढककर रखें। इसके बाद आटे को अच्छी तरह

आटे से लेकर तेल तक इन छोटी बातों का रखें ध्यान

तेल का तापमान बिगाड़ सकता है स्वाद

मसलकर चिकना करें। पूरी बेलते समय उसकी मोटाई एकसार रखें। बहुत मोटी या बहुत पतली पूरी ठीक से नहीं फूलती।

पूरियां बेलने के बाद उन्हें ज्यादा देर न रखें और तुरंत तलें। तेल अच्छी तरह गर्म होना चाहिए, लेकिन बहुत तेज भी नहीं। पूरी डालकर हल्के हाथ से दबाने पर वह फूलने लगेगी। दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। तैयार पूरियों को ठंडा करके ही डिब्बे में बंद करें।

एप्पल के नए आईफोन से आज रात उठेगा पर्दा

यूनिक समय, मथुरा। एप्पल आज 9 सितंबर को अपना वार्षिक सितंबर आयोजन करने जा रही है। कंपनी के 'सरप्राइज एंड शाइन' आयोजन में आईफोन 18 प्रो श्रृंखला से लेकर पहले मुड़ने वाले आईफोन तक कई नए उपकरण पेश किए जाने की उम्मीद है। भारत में आयोजन का सीधा प्रसारण रात 10:30 बजे से देखा जा सकेगा।

सबसे ज्यादा चर्चा एप्पल के पहले मुड़ने वाले आईफोन की है। रिपोर्टों के अनुसार इसमें ए20 प्रो चिपसेट और पीछे दो 48 मेगापिक्सल कैमरे मिल सकते हैं। इसकी अंदरूनी स्क्रीन में मोड़ का निशान भी काफी कम होने की उम्मीद है।

आईफोन 18 प्रो और प्रो मैक्स में भी ए20 प्रो चिपसेट तथा कैमरा प्रणाली में परिवर्तनीय अपर्चर मिलने की चर्चा है। इसके अलावा एप्पल वॉच सीरीज 12, वॉच अल्ट्रा 4 और नए एयरपॉड्स भी पेश किए जा सकते हैं।

सत्य निकेतन हादसे से डरे छात्र, खाली होने लगे पीजी

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में इमारत गिरने की घटना के बाद छात्रों में डर गहरा गया है। हादसे के दो दिन बाद भी कई छात्र अपने पीजी और किराए के कमरे खाली कर सुरक्षित स्थान तलाश रहे हैं। कुछ छात्र परिवार के पास लौट गए हैं, जबकि कई रात कॉलेज परिसर में गुजारने को मजबूर हैं। हादसे के बाद आसपास की पुरानी इमारतों की सुरक्षा पर भी सवाल उठने लगे हैं। कई छात्रों का कहना है कि कुछ भवनों में पर्याप्त रोशनी और हवा की व्यवस्था नहीं है, जबकि सीढ़ियां और आग से बचाव के इंतजाम भी संतोषजनक नहीं हैं। कुछ अन्य इमारतों को खाली कराए जाने की जानकारी से लोगों की चिंता और बढ़ गई है।

दूसरे राज्यों से पढ़ाई के लिए दिल्ली आने वाले छात्रों के सामने अब सुरक्षित

कई छात्र कॉलेज में गुजार रहे रात, सुरक्षित ठिकाने की तलाश

कम किराए में सुरक्षित कमरा बड़ी चुनौती

और सस्ता कमरा तलाशना बड़ी चुनौती बन गया है। छात्रों का कहना है कि किराया कम होने के कारण वे पहले सत्य निकेतन में कमरे लेते थे, लेकिन हादसे के बाद सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता बन गई है। दुकानदार भी मलबे और संभावित कार्रवाई को लेकर चिंतित हैं। हादसे के बाद छात्रों ने राहतकर्मियों की मदद के लिए भोजन और जरूरी सामान पहुंचाने की जिम्मेदारी भी संभाली है।

40 के बाद महिलाओं को क्यों सताता है जोड़ों का दर्द

यूनिक समय, मथुरा। उम्र बढ़ने के साथ घुटनों और कूल्हों का दर्द आम समस्या बनता जा रहा है। खासकर 40 वर्ष की उम्र के बाद महिलाओं में जोड़ों और हड्डियों से जुड़ी परेशानियां अधिक देखने को मिलती हैं। कई महिलाएं इसे उम्र का सामान्य असर समझकर दर्द सहती रहती हैं, जबकि समय पर जांच और चिकित्सकीय सलाह से समस्या को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

पटना के अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष सिंह के अनुसार, महिलाओं में हड्डियों से जुड़ी समस्याएं पुरुषों की तुलना में अधिक देखने को मिलती हैं। 40–45 वर्ष की उम्र और रजोनिवृत्ति के बाद यह जोखिम बढ़ सकता है। ऐसे में नियमित व्यायाम, संतुलित भोजन, वजन नियंत्रण और हड्डियों की जांच पर ध्यान देना जरूरी है।

डॉक्टर के अनुसार, रजोनिवृत्ति के बाद जरूरत पड़ने पर हड्डियों की मजबूती जानने के लिए डीईएक्सए जांच कराई जा सकती है। जांच के आधार पर चिकित्सक कैल्शियम, विटामिन–डी या अन्य उपचार की सलाह दे सकते हैं।

घुटने या कूल्हे में दर्द होने पर कई महिलाएं प्रत्यारोपण के डर से उपचार टाल देती हैं। विशेषज्ञ का कहना है कि हर मरीज को प्रत्यारोपण की जरूरत नहीं होती। बीमारी की स्थिति के अनुसार दवाओं, व्यायाम और अन्य उपचारों से भी राहत की कोशिश की जा सकती है।

डॉ. सिंह के मुताबिक, कुछ मरीजों में पूरे घुटने के बजाय केवल प्रभावित हिस्से का आंशिक प्रत्यारोपण संभव हो सकता है। कुछ स्थितियों में अन्य

दर्द को नजरअंदाज करना पड़ सकता है भारी

हर घुटना नहीं बदलना पड़ता, विकल्प भी हैं

मेनोपॉज के बाद बढ़ सकती है हड्डियों की परेशानी

चिकित्सकीय तकनीकों का भी इस्तेमाल किया जाता है।

इसलिए लगातार दर्द को सहते रहना समझदारी नहीं है। समय पर विशेषज्ञ से जांच कराने से बीमारी की स्थिति स्पष्ट हो सकती है और उपलब्ध उपचार विकल्पों में से उचित रास्ता चुना जा सकता है। 40 की उम्र के बाद महिलाओं को दर्द को उम्र का हिस्सा मानने के बजाय अपनी हड्डियों और जोड़ों की सेहत को प्राथमिकता देनी चाहिए।

सम्पादकीय

विधायक निधि से विकास तक कमीशन की सीढ़ी

उत्तर प्रदेश में विकास की गाड़ी शायद सड़क पर नहीं, कमीशन की पटरियों पर दौड़ रही है। जनता सड़क, नाली, बिजली और रोशनी मांगती है, लेकिन विकास की फाइल जब सरकारी दफ्तर पहुंचती है तो उसके साथ प्रतिशतों की एक ऐसी यात्रा शुरू हो जाती है, जिसका मंजिल से ज्यादा महत्व रास्ते में पड़ने वाले हिस्सेदारों का होता है।

पवन गौतम
संपादक

हालिया पड़ताल में सामने आए आरोपों ने इसी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक विधायक निधि से काम कराने के लिए कथित तौर पर पहले राजनीतिक स्तर पर हिस्सा तय होता है और उसके बाद बची राशि पर अफसरों और कर्मचारियों की कथित हिस्सेदारी की बात सामने आती है। यानी जनता के विकास का पैसा फाइल से निकलने से पहले ही कई जेबों की कल्पना कर चुका होता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस कथित व्यवस्था में कोई अकेला खिलाड़ी नहीं दिखता। लिपिक, लेखाकार, अभियंता, परियोजना अधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी तक के नाम बातचीत में सामने आने का दावा किया गया है। अगर ये आरोप सही हैं तो सवाल सिर्फ रिश्वत लेने वाले व्यक्ति का नहीं, बल्कि उस पूरे ढांचे का है जिसमें कथित रूप से रिश्वत एक 'प्रक्रिया' बन जाती है। व्यवस्था की विडंबना देखिए–सरकार विकास के लिए धन देती है, विधायक उसकी अनुशंसा करते हैं और दफ्तर उसे आगे बढ़ाता है। लेकिन यदि रास्ते में प्रतिशतों की दीवार खड़ी हो जाए तो विकास की ईंट जनता तक पहुंचने से पहले ही हल्की पड़ जाती है। और सबसे बड़ा सवाल–यदि किसी सरकारी कार्यालय में कथित रूप से 'रेट' तय हैं, तो निगरानी तंत्र क्या कर रहा है? फाइलें चल रही हैं या दरअसल कमीशन चल रहा है? उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में भ्रष्टाचार केवल आर्थिक नुकसान नहीं है। यह जनता के भरोसे पर लगाया गया कर है। गरीब की सड़क देर से बनती है, गांव की नाली अधूरी रहती है, स्कूल की मरम्मत अटकती है और सरकारी योजना का लाभ पाने वाला व्यक्ति दफ्तरों के चक्कर काटता है। जरूरत केवल जांच की नहीं, ऐसी व्यवस्था की है जिसमें किसी काम की कीमत विकास हो, प्रतिशत नहीं। यदि आरोप गलत हैं तो जांच उन्हें गलत साबित करे। और यदि सही हैं तो कार्रवाई इतनी स्पष्ट हो कि अगली बार किसी फाइल को आगे बढ़ाने से पहले बाबू को 'रेट' नहीं, नियम याद आए। क्योंकि लोकतंत्र में विधायक जनता के प्रतिनिधि हैं और अधिकारी जनता के सेवक। दोनों के बीच अगर कमीशन बैठ जाए, तो विकास नहीं, व्यवस्था का मजाक बनता है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

विचारों को पंख चाहिए, सिर्फ सपनों से कारोबार नहीं बनता

बोध प्रकाश सगुणी

देश में युवाओं के पास सपनों की कमी नहीं है। समस्या तब शुरू होती है, जब सपना कारोबार का रूप लेने लगता है। दिमाग में एक शानदार विचार होता है, बाजार की जरूरत समझ में आती है, समाधान भी तैयार होता है, लेकिन जैसे ही उसे जमीन पर उतारने की बारी आती है, सामने खड़ी होती है एक बड़ी दीवार–पैसा। यही वह जगह है जहां कई संभावनाएं दम तोड़ देती हैं। अच्छे विचार फाइलों में बंद हो जाते हैं और प्रतिभाशाली युवा नौकरी की तलाश में लौट जाते हैं।

सवाल यह है कि क्या केवल इसलिए कोई अच्छा विचार खत्म हो जाना चाहिए क्योंकि उसके पास शुरुआती पूंजी नहीं है? शायद नहीं। स्टार्टअप इंडिया बीज निधि योजना इसी सवाल का एक संभावित जवाब है। केंद्र सरकार की यह पहल शुरुआती दौर के उन उद्यमों को आर्थिक सहारा देने के उद्देश्य से बनाई गई है, जिनके पास विचार तो है, लेकिन उसे उत्पाद, सेवा और कारोबार में बदलने के लिए जरूरी धन नहीं है।

इस योजना को केवल आर्थिक सहायता की एक सरकारी व्यवस्था मानना पर्याप्त नहीं होगा। असल में यह उस खाली जगह को भरने की कोशिश है, जहां एक नए उद्यमी का सपना और बाजार की वास्तविकता आमने–सामने खड़ी होती है।

नए कारोबार की सबसे मुश्किल घड़ी शुरुआत की होती है। निवेशक अक्सर तब पैसा लगाना पसंद करते हैं, जब उत्पाद बाजार में अपनी उपयोगिता साबित कर चुका हो। बैंक भी बिना पर्याप्त सुरक्षा के नए कारोबार को ऋण देने में हिचकते हैं। ऐसे में उद्यमी के पास विचार होता है, मेहनत करने का उत्साह होता है, लेकिन प्रयोग करने के लिए पैसा नहीं होता। बीज निधि योजना इसी शुरुआती जोखिम को कम करने का प्रयास करती है।

योजना के तहत शुरुआती चरण में 20 लाख रुपये तक अनुदान मिल सकता है। इस राशि का उपयोग अवधारणा को साबित करने, नमूना उत्पाद तैयार करने और उत्पाद की जांच जैसे कामों में किया जा सकता है। रकम काम की प्रगति के आधार पर किस्तों में मिलती है। यानी पैसा केवल कागज पर बने विचार के लिए नहीं, बल्कि उस विचार को वास्तविक रूप देने की प्रक्रिया के लिए है।

जब उत्पाद प्रयोगशाला या नमूने से निकलकर बाजार

की ओर बढ़ने लगता है, तब पूंजी की जरूरत और बढ़ जाती है। बाजार में प्रवेश, कारोबार शुरू करने और विस्तार के लिए योजना के तहत 50 लाख रुपये तक निवेश का प्रावधान है। यह ऋण, परिवर्तनीय ऋणपत्र या निर्धारित वित्तीय माध्यमों से दिया जा सकता है। इस तरह योजना विचार से नमूने और नमूने से बाजार तक की यात्रा में सहारा देने की कोशिश करती है।

लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण बात समझना जरूरी है। सरकारी पैसा किसी भी नए कारोबार के लिए खुली तिजोरी नहीं है। इसके लिए पात्रता की स्पष्ट शर्तें हैं। उद्यम को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग से मान्यता प्राप्त होना चाहिए और आवेदन के समय उसकी उम्र दो वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। विचार बाजार की वास्तविक जरूरत से जुड़ा होना चाहिए और उसमें आगे बढ़ने की क्षमता दिखाई देनी चाहिए।

व्यक्तिगत उद्यमी सीधे आवेदन नहीं कर सकता। उद्यम का विधिवत पंजीकृत होना जरूरी है। निजी कंपनी, पंजीकृत साझेदारी संस्था या सीमित दायित्व साझेदारी के रूप में काम करने वाले उद्यम ही निर्धारित शर्तों के तहत पात्र हो सकते हैं।

कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, जैव प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, वित्तीय समावेशन, कचरा एवं जल प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण, आवागमन, रक्षा, अंतरिक्ष, रेलवे, तेल–गैस और वस्त्र जैसे क्षेत्रों में नए समाधान देने वाले उद्यमों को प्राथमिकता मिलने की संभावना है। इसका अर्थ साफ है कि योजना केवल कारोबार खड़ा करने पर नहीं, बल्कि ऐसी समस्याओं के समाधान पर जोर देती है जिनका असर बड़े स्तर पर समाज और अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

सरकार ने यह भी सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि एक ही उद्यम सरकारी योजनाओं का अनुचित दोहरा लाभ न उठाए। आवेदन करने वाले उद्यम को पहले से किसी सरकारी योजना के तहत 10 लाख रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता नहीं मिली होनी चाहिए। हालांकि पुरस्कार, अनुदानित कार्यालय, संस्थापक भत्ता और प्रयोगशाला सुविधा जैसी चीजें इस सीमा में नहीं गिनी जातीं।

मान्यता के लिए उद्यम की उम्र दस वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए और किसी वित्तीय वर्ष में उसका कारोबार 100 करोड़ रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए। भारतीय प्रवर्तकों की हिस्सेदारी कम से कम 51 प्रतिशत होना भी आवश्यक है। पुराने कारोबार को तोड़कर बनाई गई इकाई को नई इकाई मानकर इस सुविधा का लाभ नहीं दिया जाएगा।

सबसे अहम सवाल फिर वही है–क्या पैसा मिलते ही सफलता तय हो जाएगी? बिल्कुल नहीं। पैसा केवल अवसर देता है, सफलता की गारंटी नहीं। बाजार में ग्राहक चाहिए, उत्पाद में गुणवत्ता चाहिए, प्रबंधन में समझ चाहिए और सबसे बढ़कर बदलती परिस्थितियों के साथ खुद को ढालने की क्षमता चाहिए।

योजना की यही खूबी भी है कि इसमें जवाबदेही जुड़ी हुई है। इनक्यूबेटर आवेदन के 45 दिनों में चयन कर सकता है और अनुदान की पहली किस्त 60 दिनों में जारी की जा सकती है। आगे की राशि के लिए प्रगति और पहले मिले धन के उपयोग का प्रमाण देना होगा। हर पंद्रह दिन में प्रगति की जानकारी देनी होगी। असफलता की स्थिति में कारण बताना होगा और निर्धारित परिस्थितियों में मिली राशि लौटानी पड़ सकती है।

दरअसल, किसी भी देश की अर्थव्यवस्था केवल बड़ी कंपनियों से नहीं बनती। छोटे–छोटे विचार ही आगे चलकर बड़े उद्योगों का रूप लेते हैं। जरूरत इस बात की है कि प्रतिभा और पूंजी के बीच की दूरी कम हो। स्टार्टअप इंडिया बीज निधि योजना इसी दूरी को पाटने की कोशिश है।

अब असली जिम्मेदारी युवाओं की है। योजना का लाभ वही विचार उठा पाएगा जो सिर्फ आकर्षक न हो, बल्कि किसी वास्तविक समस्या का समाधान भी देता हो। सरकार शुरुआती पूंजी दे सकती है, लेकिन विचार को सफलता तक पहुंचाने का काम उद्यमी को ही करना होगा। यही किसी भी सपने को कारोबार और कारोबार को बदलाव में बदलने की असली कसौटी है।

विचार विंडो

थाली सुधरी तो मन भी सुधरेगा, ध्यान की राह यहीं से

राम प्रकाश वर्मा

मनुष्य की जिंदगी में कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जिन्हें अलग करके देखा ही नहीं जा सकता। ज्ञान है तो उसके साथ विवेक चाहिए, प्रेम है तो उसके साथ आनंद, सत्य है तो उसके साथ अहिंसा और चरित्र है तो उसके साथ नैतिकता। ठीक इसी तरह शरीर और मन का रिश्ता भी है। शरीर अस्त–व्यस्त होगा तो मन के भीतर शांति तलाशना किसी शोरगुल वाले बाजार में मौन खोजने जैसा होगा।

आज ध्यान और मानसिक शांति की बातें खूब होती हैं। योग, ध्यान, साधना और आत्मचिंतन पर चर्चाएं होती हैं। लोग मोबाइल से कुछ मिनट दूर रहने को भी 'ध्यान' मानने लगे हैं। लेकिन सवाल यह है कि जिस मन को दिनभर इच्छाओं, तनाव, लालच और भागदौड़ ने घेर रखा हो, वह अचानक दस मिनट आंखें बंद करते ही शांत कैसे हो जाएगा?

शायद इसकी शुरुआत आंखें बंद करने से पहले थाली देखने से करनी होगी। हमारे खानपान का असर केवल शरीर पर नहीं पड़ता, बल्कि मन की स्थिति पर भी पड़ता है। जैसा अन्न, वैसी ऊर्जा–यह विचार भारतीय परंपरा में बहुत पुराना है। आज आधुनिक विज्ञान भी आहार और शरीर के भीतर मौजूद तंत्रों के संबंध को लगातार समझने की कोशिश कर रहा

है। पेट और मस्तिष्क के बीच गहरा संबंध है। इसलिए भोजन को केवल स्वाद की वस्तु मान लेना जीवन की एक बड़ी भूल हो सकती है। आज हमारी थाली में स्वाद बढ़ता जा रहा है और संतुलन घटता जा रहा है। जल्दी तैयार होने वाला भोजन, अत्यधिक तला–भुना खाना, जरूरत से ज्यादा चीनी–नमक और अनियमित समय पर भोजन हमारी जीवनशैली का हिस्सा बन चुके हैं। फिर हम चाहते हैं कि मन हमेशा शांत रहे, नींद गहरी आए और ध्यान आसानी से लग जाए। यह वैसा ही है जैसे वाहन में गलत ईंधन भरकर उससे बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद करना।

अन्न की शुद्धि का अर्थ केवल यह नहीं कि भोजन साफ–सुथरा हो। इसका अर्थ यह भी है कि भोजन आवश्यकता के अनुसार हो, संयम के साथ हो और उसे ग्रहण करते समय हमारी मानसिक अवस्था भी संतुलित हो। क्रोध में खाया गया भोजन, तनाव में निगला गया भोजन और भागते–भागते किया गया भोजन पेट तो भर सकता है, लेकिन भोजन के प्रति जागरूकता नहीं पैदा करता।

हमारी थाली आज हमारी इच्छाओं का आईना बन गई है। भूख कम होती है, इच्छाएं ज्यादा। जरूरत कम होती है, लालसा ज्यादा। शरीर जितना मांगता है, उससे कहीं अधिक हम स्वाद के नाम पर खा लेते हैं। फिर शरीर संकेत देता है, लेकिन हम उसे दवाइयों और तात्कालिक उपायों से चुप कराने लगते हैं।

असल साधना शायद यहीं से शुरू होती है–'क्या खाना है' से पहले 'कितना खाना है' और 'क्यों खाना है' पूछने से। यदि भोजन के प्रति संयम आ जाए तो जीवन के दूसरे क्षेत्रों में भी अनुशासन पैदा होना शुरू हो सकता है। जो व्यक्ति अपनी थाली पर नियंत्रण नहीं रख पाता, उसके लिए अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखना कठिन हो सकता है। इसके विपरीत, भोजन में संयम धीरे–धीरे मन में भी संयम की आदत पैदा करता है।

ध्यान का अर्थ केवल आंखें बंद करके बैठ जाना नहीं है। ध्यान का अर्थ है अपने भीतर चल रही गतिविधियों को देख पाना। भूख और स्वाद में अंतर समझना, आवश्यकता और लालच में फर्क करना और शरीर की आवाज सुनना भी आत्म–जागरूकता का हिस्सा है।

आज की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हम अपने शरीर को मशीन की तरह चलाते हैं और फिर उससे संत की तरह व्यवहार करने की अपेक्षा करते हैं। देर रात तक जागना, अनियमित भोजन करना, लगातार तनाव में रहना और फिर मानसिक शांति की तलाश करना विरोधाभास है।

इसलिए ध्यान की यात्रा किसी महंगे साधना केंद्र से नहीं, घर की रसोई से भी शुरू हो सकती है। थाली में क्या है, कितनी मात्रा है, भोजन कब किया जा रहा है और उसे किस मनःस्थिति में खाया जा रहा है–इन छोटे सवालों के जवाब जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

अन्न केवल पेट भरने का साधन नहीं, जीवन को संचालित करने वाली ऊर्जा का आधार है। इसलिए भोजन को सम्मान देना अपने शरीर को सम्मान देना है और शरीर को सम्मान देना आत्मचेतना की पहली सीढ़ी।

शायद इसी अर्थ में यह बात बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है कि यदि अन्न साध लिया, तो ध्यान की आधी राह अपने आप आसान हो सकती है। क्योंकि जिस दिन मनुष्य अपनी थाली पर विजय पा लेता है, उसी दिन वह अपनी कई इच्छाओं पर शासन करना सीख जाता है। और आत्मअनुशासन से बड़ी कोई ध्यान–साधना नहीं।

ओलंपिक से पहले महिला क्रिकेट में कप्तानी बदलने की उठी मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट में टी20 टीम की कप्तानी को लेकर बहस तेज हो गई है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 को देखते हुए सवाल उठ रहा है कि क्या अब टीम की कमान स्मृति मंधाना को सौंपने पर विचार किया जाना चाहिए। हरमनप्रीत कौर लंबे समय से भारतीय टीम का नेतृत्व कर रही हैं। बल्लेबाजी में उनका अनुभव और उपयोगिता अब भी महत्वपूर्ण है, लेकिन टी20 में उनके नेतृत्व को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं।

स्मृति मंधाना ने अलग-अलग मौकों पर कप्तान के रूप में अपनी क्षमता साबित की है। महिला प्रीमियर लीग में उन्होंने अपनी टीम को खिताब दिलाया है। भारतीय टीम में भी हरमनप्रीत की गैरमौजूदगी में स्मृति कई बार नेतृत्व संभाल चुकी हैं। ऐसे में टी20 की कप्तानी उन्हें सौंपने से ओलंपिक की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सकता है। लॉस एंजिल्स खेलों में अब करीब दो साल का समय है। इसलिए चयनकर्ताओं के सामने तत्काल परिणाम के साथ भविष्य की मजबूत टीम तैयार करने की चुनौती भी है। नेतृत्व में बदलाव इसी दीर्घकालिक योजना का हिस्सा हो सकता है।

कप्तानी से हटाने का अर्थ हरमनप्रीत कौर को टीम से बाहर करना नहीं होगा। बल्लेबाजी में उनका अनुभव भारतीय टीम के लिए अब भी बेहद उपयोगी है। बड़े मुकाबलों में

स्मृति को नेतृत्व सौंपने का समय

बल्लेबाज के तौर पर हरमन अब भी अहम

दबाव झेलने और निर्णायक पारियां खेलने का उनका अनुभव युवा खिलाड़ियों के भी काम आ सकता है।

एशिया कप और एशियाई खेलों में मिलने वाली आसान जीत से टीम की पूरी क्षमता का आकलन नहीं किया जा सकता। मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ प्रदर्शन ही असली तस्वीर सामने लाएगा। ऐसे में चयनकर्ताओं को केवल वर्तमान नतीजों के बजाय ओलंपिक की चुनौती को ध्यान में रखकर नेतृत्व के विकल्प पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

रिजेक्ट धुनों से बना इतिहास सातों गाने हुए सुपरहिट

यूनिक समय, नई दिल्ली। 14 जनवरी 2000 को रिलीज हुई राकेश रोशन की फिल्म 'कहो ना प्यार है' ने हिंदी सिनेमा में सफलता के कई नए रिकॉर्ड बनाए। करीब 10 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 80 करोड़ रुपये कमाए। ऋतिक रोशन और अमीषा पटेल की जोड़ी वाली यह फिल्म उस दौर की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल रही।

फिल्म के संगीतकार राजेश रोशन की धुनों को शुरुआत में कई निर्माताओं ने पसंद नहीं किया था। राकेश रोशन ने इन धुनों पर भरोसा जताया और इन्हें अपनी फिल्म में शामिल किया। नतीजा यह रहा कि फिल्म के सातों गाने लोकप्रिय हो गए। 'एक पल का जीना' और 'ना तुम

फिल्म ने ऋतिक रोशन को रातोंरात बनाया बड़ा सितारा

संगीत ने बदली फिल्म की किस्मत

जानो ना हम' आज भी याद किए जाते हैं। इस फिल्म से ऋतिक रोशन ने अभिनय की शुरुआत की और एक ही वर्ष में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता तथा सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार जीतकर इतिहास रचा। फिल्म ने कुल 92 पुरस्कार अपने नाम किए। वहीं राजेश रोशन को भी सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन का सम्मान मिला।

35 महीने से वनडे रैंकिंग का बादशाह बना भारत

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की वनडे टीम रैंकिंग में अपना दबदबा कायम रखा है। ताजा रैंकिंग में भारत 116 अंकों के साथ पहले स्थान पर है। न्यूजीलैंड 109 अंक लेकर दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 102 अंकों के साथ तीसरे पायदान पर है। भारत सितंबर 2023 में पाकिस्तान को पीछे छोड़कर शीर्ष पर पहुंचा था और तब से लगातार नंबर-1 बना हुआ है।

भारत ने पहली बार जनवरी 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया था। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू पांच मैचों की श्रृंखला 3-2 से जीतने के बाद भारतीय टीम ने यह उपलब्धि हासिल की थी। इसके बाद टीम कई बार शीर्ष पर पहुंची और अब लंबे

धोनी की कप्तानी में पहली बार मिला था ताज

पाकिस्तान पांचवें श्रीलंका छठे स्थान पर

समय से अपनी स्थिति मजबूत बनाए हुए है।

ताजा सूची में दक्षिण अफ्रीका 102 अंकों के साथ चौथे और पाकिस्तान 100 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। श्रीलंका छठे, इंग्लैंड सातवें और अफगानिस्तान आठवें स्थान पर हैं। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज शीर्ष दस में शामिल हैं। रैंकिंग में केवल जीत ही नहीं, बल्कि लगातार अच्छे प्रदर्शन और मैचों के महत्व को भी ध्यान में रखा जाता है।

उज्जैन में नहीं हिली हनुमान प्रतिमा भक्तों में चमत्कार की चर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। इन दिनों फिल्म 'हनुमान अंश' में दिखाई गई भक्ति और चमत्कार की चर्चा के बीच उज्जैन की एक घटना ने लोगों का ध्यान खींचा है। सड़क चौड़ीकरण के लिए करीब 170 साल पुराने खड़े हनुमान मंदिर को हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन मंदिर का ढांचा हटने के बाद भी करीब आठ फुट ऊंची हनुमान प्रतिमा अपनी जगह से नहीं हिली। भारी मशीनों से प्रयास के बावजूद प्रतिमा जस की तस बनी रही। श्रद्धालु इसे भगवान की इच्छा और आस्था से जोड़कर देख रहे हैं।

नगर निगम के अनुसार प्रतिमा को हटाने से पहले उसकी स्थिति और जमीन के भीतर आधार की जांच कराई जा रही है। इंदौर से आई तकनीकी टीम

तकनीकी जांच के बाद तय होगा अगला कदम

बंदरों के पहुंचने से बढ़ी श्रद्धालुओं की आस्था

ने विशेष उपकरणों से करीब दो घंटे तक जांच की है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की प्रक्रिया तय होगी।

प्रतिमा हटाने की कोशिश के दौरान मंदिर के आसपास बड़ी संख्या में बंदर भी पहुंच गए। यह दृश्य देखकर श्रद्धालुओं में भावनाएं और गहरी हो गईं। हालांकि अधिकारी मामले को तकनीकी दृष्टि से देख रहे हैं, वहीं भक्त इसे बजरंगबली की उपस्थिति और इच्छा से जोड़ रहे हैं।

किस्मत से चमके एमी विर्क इन पांच गानों ने मचाई धूम

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाबी मनोरंजन जगत के लोकप्रिय गायक और अभिनेता एमी विर्क इन दिनों एक अप्रिय घटना के कारण चर्चा में हैं। कनाडा में उनकी गाड़ी पर कथित गोलीबारी की खबर सामने आई, जिसमें वह सुरक्षित बच गए। एमी विर्क ने अपनी आवाज और अभिनय से पंजाबी सिनेमा के साथ संगीत जगत में भी खास पहचान बनाई है। फिल्म 'किस्मत' ने उनके करियर को नई ऊंचाई दी और इसके बाद उनके कई गीत बेहद लोकप्रिय हुए।

एमी विर्क का 'लौंग लाची' गीत बेहद लोकप्रिय हुआ और इसे करोड़ों बार देखा गया। वहीं 'किस्मत' उनके

'लौंग लाची' से 'किस्मत' तक छाया जादू

इन गीतों ने भी जीता दिल

करियर का महत्वपूर्ण गीत साबित हुआ। भावनात्मक प्रेम कहानी और एमी की आवाज ने इसे श्रोताओं के बीच खास बना दिया।

'हाए वे', 'कबूल ए' और 'तारा' भी एमी विर्क के चर्चित गीतों में शामिल हैं। इन गीतों को भी करोड़ों बार देखा-सुना जा चुका है। यही वजह है कि एमी विर्क की आवाज आज पंजाबी संगीत प्रेमियों के बीच अलग पहचान रखती है।

टी-20 में शून्य पर आउट होने वाले पांच भारतीय दिग्गज

यूनिक समय, नई दिल्ली। फटाफट क्रिकेट में बल्लेबाज पहली ही गेंद से आक्रामक रुख अपनाने की कोशिश करते हैं। चौके-छक्कों की तलाश में कई बार जोखिम उठाना पड़ता है और इसका नतीजा बिना खाता खोले पवेलियन लौटने के रूप में सामने आता है। भारतीय क्रिकेट में भी कई बड़े नाम ऐसे हैं, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में कई बार शून्य पर आउट हुए हैं। खास बात यह है कि इस सूची में ऐसे खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए विश्व कप का खिताब जीता है।

पूर्व कप्तान रोहित शर्मा इस सूची में सबसे ऊपर हैं। आक्रामक बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाने वाले रोहित ने भारत को कई मुकाबलों में तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन टी-20 अंतरराष्ट्रीय में वह 12 बार बिना रन बनाए आउट हुए। लंबे समय तक टीम के लिए खेलने के कारण उनके नाम यह आंकड़ा सबसे अधिक है। संजू सैमसन इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। पारी की शुरुआत करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले संजू टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक आठ बार शून्य पर आउट हुए हैं। युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा सात बार शून्य पर आउट होकर तीसरे स्थान पर हैं। उनका खेल शुरू से ही तेज रन बनाने पर आधारित रहा है, जिसके कारण कई बार जोखिम का नुकसान भी उठाना पड़ा। टी20 विश्व कप विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव भी इस सूची का हिस्सा हैं। मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने वाले सूर्यकुमार सात बार शून्य पर आउट हुए

रोहित सबसे आगे, संजू दूसरे स्थान पर

सूर्य कुमार और विराट भी सूची में शामिल

हैं। इसके बावजूद उनका आक्रामक अंदाज टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा है। पूर्व कप्तान विराट कोहली भी सात बार शून्य पर आउट हुए हैं। उन्होंने भारत के लिए 125 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 4188 रन बनाए हैं। आंकड़े बताते हैं कि बड़े से बड़े बल्लेबाज के करियर में भी शून्य पर आउट होना खेल का हिस्सा है। असली महत्व लंबे समय में बनाए गए रनों और टीम के लिए दिए गए योगदान का होता है।

'दृश्यम-3' में विजय के खिलाफ मिला बड़ा सबूत

यूनिक समय, नई दिल्ली। अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म ' दृश्यमः द कन्क्लूजन' का ट्रेलर बुधवार को जारी हो गया। 2 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली यह फिल्म कहानी का अंतिम अध्याय बताई जा रही है। ट्रेलर में विजय सालगांवकर के सामने पहले से बड़ी चुनौती दिखाई गई है। जयदीप अहलावत अपराध शाखा के अधिकारी और प्रकाश राज वकील की भूमिका में नजर आएंगे। पुलिस के हाथ ऐसा मजबूत सबूत लगने का संकेत मिलता है, जो विजय की वर्षों पुरानी कहानी को खत्म कर सकता है। ट्रेलर में तब्बू और श्रिया सरन

जांच में नया मोड़, परिवार का राज खुलने का खतरा

दिमागी खेल से आगे अब किस्मत की परीक्षा

भी अपने पुराने किरदारों में लौटती दिख रही हैं। विजय एक बार फिर परिवार को बचाने के लिए हर संभव चाल चलता है। हालांकि इस बार जांच पहले से ज्यादा मजबूत है। फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक ने किया है। अजय ने बताया कि कहानी को आगे बढ़ाने के लिए लेखकों ने करीब ढाई साल काम किया। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म मूल मलयालम संस्करण से अलग है।

राहुल ने मोबाइल पर दिखाई टूटी सड़कें,अफसरों से मांगा जवाब

सरकारी धन मिलने के बाद भी सड़कें बदहाल क्यों हैं

दिशा बैठक में विकास कार्यों की स्थिति पर हुई समीक्षा

यूनिक समय, रायबरेली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को रायबरेली में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में जिले की बदहाल सड़कों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने अपने मोबाइल में टूटी और गड्ढों से भरी सड़कों की तस्वीरें और वीडियो अधिकारियों के सामने दिखाए। इस दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और जिलाधिकारी से सवाल किया कि जब सरकार विकास कार्यों के लिए धन उपलब्ध करा रही है, तो सड़कों की हालत इतनी खराब क्यों है।

राहुल गांधी ने अधिकारियों से मुख्य मार्गों के साथ ग्रामीण संपर्क मार्गों की स्थिति सुधारने को लेकर भी जानकारी मांगी। बैठक में ऊंचाहार से भाजपा विधायक एवं कैबिनेट मंत्री मनोज पांडेय, राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह सहित जिले के अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। बैठक करीब ढाई घंटे चली। इससे पहले राहुल गांधी ने भुएमऊ स्थित अतिथि गृह में जनता दरबार लगाया। बड़ी संख्या में लोगों ने उनसे मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं। महिला कांग्रेस की एक नेता ने उन्हें राखी भी बांधी। बाद में उन्होंने करीब तीन करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उधर, समाजवादी पार्टी के विधायकों राहुल लोधी और श्याम सुंदर भारती ने दिशा बैठक के बाहर पोस्टर-बैनर लेकर प्रदर्शन किया। उनके पोस्टरों में विद्यालय बंद होने, कथित फर्जी मुकदमों, जमीनों पर कब्जे और जनता की समस्याओं का मुद्दा उठाया गया। पुलिस ने राहुल गांधी के पहुंचने से पहले उनके पोस्टर और बैनर ले लिए। बैठक के बाद मंत्री मनोज पांडेय ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में रायबरेली जिले में करीब 16 हजार छोटी-बड़ी सड़कों का निर्माण कराया गया है। वहीं सपा विधायक ने दावा किया कि विकास कार्यों के लिए घोषित बजट का लाभ जनता तक नहीं पहुंच रहा है। बैठक के बाद राहुल गांधी लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

आयुष छात्रों ने बढ़े मानदेय की मांग पर दिया धरना

यूनिक समय, लखनऊ। आयुष चिकित्सा पद्धति के प्रशिक्षु छात्रों ने मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर बुधवार को राजधानी में प्रदर्शन किया। हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा के सामने बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं धरने पर बैठे। छात्रों की मांग है कि उन्हें वर्तमान में मिल रहे 7,500 रुपये मासिक मानदेय को बढ़ाकर 25 हजार रुपये किया जाए। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि पिछले करीब 15 वर्षों से उनके मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, जबकि इस दौरान महंगाई लगातार बढ़ी है।

तेज धूप के बावजूद छात्र धरने पर डटे रहे। कई छात्र छाता लेकर प्रदर्शन करते नजर आए। हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर उन्होंने सरकार के खिलाफ नारे लगाए। छात्रों का कहना है कि पढ़ाई पूरी करने के बाद एक वर्ष की इंटर्नशिप के दौरान वे अस्पतालों में मरीजों के उपचार और अन्य चिकित्सकीय कार्यों में जिम्मेदारी निभाते हैं। इसके बावजूद उन्हें मिलने वाला मानदेय बेहद कम है।

प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर पवन शुक्ला ने कहा कि आयुर्वेद की पढ़ाई में साढ़े चार वर्ष के पाठ्यक्रम के बाद एक वर्ष की इंटर्नशिप करनी होती है। वर्ष

पंद्रह साल से नहीं बढ़ा मानदेय, 25 हजार करने की मांग

उपमुख्यमंत्री से मुलाकात पर अड़े छात्र गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन

2011 में निर्धारित 7,500 रुपये का मानदेय आज भी जारी है। उन्होंने कहा कि किराए के कमरे में रहने वाले छात्रों का मासिक खर्च ही 20 से 25 हजार रुपये तक पहुंच जाता है। ऐसे में वर्तमान मानदेय से जरूरी खर्च पूरा करना मुश्किल है।

प्रखर सिंह चौहान ने बताया कि प्रदेश में करीब पांच हजार आयुष प्रशिक्षु हैं। छात्रों का कहना है कि अन्य चिकित्सा पद्धतियों के प्रशिक्षुओं का मानदेय बढ़ाया गया है, लेकिन उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। छात्रों ने कहा कि वे उपमुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी मांग रखना चाहते हैं। उनका आरोप है कि मंगलवार को आश्वासन मिलने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई, इसलिए उन्हें दोबारा धरने पर बैठना पड़ा।

सेवानिवृत्त आईएएस और अभिनेत्री ने थामा कांग्रेस का हाथ

यूनिक समय, लखनऊ। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. राकेश वर्मा और दक्षिण भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री फिरदौस बानो ने बुधवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने दोनों का स्वागत किया। पार्टी के सदस्यता प्रभारी नितिन शर्मा ने उन्हें प्राथमिक सदस्यता दिलाई।

सदस्यता लेने के बाद डॉ. राकेश वर्मा ने कहा कि वह राजनीति करने नहीं, बल्कि समाज के लिए काम करने आए हैं। उन्होंने शिक्षा को देश की प्रगति का आधार बताते हुए कहा कि अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को अपनी जिम्मेदारियां ईमानदारी से निभानी चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात और अजय राय के संघर्ष से प्रभावित होकर

राकेश वर्मा बोले, राजनीति नहीं समाजसेवा के लिए आया हूं

अजय राय ने कहा, दोनों के आने से संगठन होगा मजबूत

कांग्रेस में आने की बात कही।

अजय राय ने कहा कि डॉ. वर्मा और फिरदौस बानो सामाजिक कार्यों से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि डॉ. वर्मा 85 दिव्यांग बच्चों की देखभाल कर रहे हैं। उनके कांग्रेस में शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। इस दौरान कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे। मोहनलालगंज के पूर्व प्रत्याशी नरेंद्र गौतम के नेतृत्व में कई अन्य लोगों ने भी पार्टी की सदस्यता ली।

मायावती की दो टूक, अशोक हटें तभी आकाश की वापसी संभव

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में विधानसभा चुनावों से पहले बहुजन समाज पार्टी ने संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। बसपा प्रमुख मायावती ने पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ को लेकर सख्त रुख अपनाया है। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अशोक सिद्धार्थ राजनीति से संन्यास लेकर अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से दूर हो जाएं तो उनके दामाद आकाश आनंद की पार्टी में वापसी और जिम्मेदारियां सौंपने पर विचार किया जा सकता है।

बसपा ने आरोप लगाया कि अशोक सिद्धार्थ ने बहुजन मिशन की अपेक्षा निजी और पारिवारिक हितों को अधिक महत्व दिया। पार्टी के अनुसार, इसका असर आकाश आनंद और संगठन पर भी पड़ा। नेतृत्व का कहना है कि अशोक सिद्धार्थ को कई बार सुधार का अवसर दिया गया, लेकिन अपेक्षित बदलाव नहीं आया।

मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। कार्यकर्ताओं से चुनावी तैयारियों में पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया गया है। पार्टी ने संगठन में अनुशासन को प्राथमिकता देते हुए बाधा बनने वालों पर कार्रवाई के संकेत भी दिए हैं। आकाश आनंद की भूमिका को लेकर अंतिम फैसला अशोक सिद्धार्थ के रुख से जोड़कर देखा जा रहा है।

माता-पिता की चिंता से ऊपर बेटी की पसंद का अधिकार

बालिग को अपनी पसंद से जीवनसाथी चुनने की पूरी स्वतंत्रता

परिवार की असहमति पर नहीं छीनी जा सकती व्यक्तिगत आजादी

यूनिक समय, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बालिग युवती के जीवनसाथी चुनने के अधिकार को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। न्यायालय ने कहा कि माता-पिता की चिंता और असहमति कितनी भी सच्ची क्यों न हो, वह बालिग बेटी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अपनी पसंद से जीवनसाथी चुनने के संवैधानिक अधिकार से ऊपर नहीं हो सकती। बालिग व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार जीवन जीने और विवाह संबंधी निर्णय लेने की स्वतंत्रता है।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति संदीप जैन की एकल पीठ ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई के दौरान की। न्यायालय के निर्देश पर बदायूं जिले के उसावां थाने की पुलिस ने मोनी नामक युवती को कोर्ट में पेश किया। न्यायालय ने उससे उसकी उम्र, विवाह और मौजूदा परिस्थितियों के संबंध में जानकारी ली।

मोनी ने कोर्ट को बताया कि उसकी जन्मतिथि आठ जून 2008 है और वह बालिग हो चुकी है। उसने कहा कि उसने 18 जुलाई 2026 को मोहित से अपनी इच्छा से विवाह किया है और वह उसके साथ पत्नी के रूप में रहना चाहती है। न्यायालय ने मोहित से भी बातचीत की। उसने विवाह की बात स्वीकार करते हुए मोनी के साथ रहने की इच्छा जताई। सुनवाई के दौरान मोनी के पिता संजीव ने भी स्वीकार किया कि उनकी बेटी बालिग है। हालांकि, वह बेटी के विवाह और उसके फैसले से सहमत नहीं थे। इस पर न्यायालय ने स्पष्ट किया कि केवल पारिवारिक असहमति के आधार पर किसी बालिग की पसंद को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता, गरिमा और अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 का अभिन्न हिस्सा है। न्यायालय ने मोनी को अपनी इच्छा के अनुसार मोहित के साथ रहने की स्वतंत्रता प्रदान की। साथ ही पुलिस को दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें किसी भी प्रकार की धमकी, दबाव या उत्पीड़न से बचाने के निर्देश दिए।

राहुल की दिशा बैठक से पहले सपाइयों का प्रदर्शन पुलिस ने छीने पोस्टर

यूनिक समय, रायबरेली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की दिशा बैठक से पहले बुधवार को रायबरेली में समाजवादी पार्टी के विधायकों ने प्रदर्शन किया। विधायक राहुल लोधी और श्याम सुंदर भारती ने पोस्टर-बैनर लहराते हुए सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आम लोगों की समस्याएं अब भी जस की तस हैं तो दिशा बैठक का क्या औचित्य है। राहुल गांधी के पहुंचने से पहले पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे विधायकों से पोस्टर-बैनर ले लिए। इसके बाद राहुल गांधी बैठक में पहुंचे, जहां जिलाधिकारी सरनीत कौर और पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने उनका स्वागत किया। बैठक में राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और कैबिनेट मंत्री मनोज पांडे भी मौजूद रहे। इससे पहले

विधायकों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ की नारेबाजी

राहुल ने सांसद निधि की परियोजनाओं का किया लोकार्पण

राहुल गांधी भुएमऊ अतिथि गृह पहुंचे, जहां जनता दरबार लगाया गया। पार्टी की एक महिला नेता ने उन्हें राखी बांधी और तिलक किया। दो दिवसीय उत्तर प्रदेश दौरे के अंतिम दिन राहुल ने सांसद निधि से करीब तीन करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

कर्नाटक के मंत्री सतीश जारकीहोली के 8 ठिकानों पर ईडी की तलाशी

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक के लोक निर्माण विभाग मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतीश जारकीहोली से जुड़े परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। जांच एजेंसी की टीमें बेंगलुरु, बेलगावी और महाराष्ट्र में करीब 18 ठिकानों पर तलाशी ले रही हैं। इनमें बेंगलुरु के डॉलर्स कॉलोनी स्थित मंत्री का आवास भी शामिल है। अधिकारियों की टीम केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों के साथ सुबह मंत्री के सरकारी आवास पहुंची और दस्तावेजों समेत अन्य सामग्री की जांच शुरू की। फिलहाल एजेंसी ने तलाशी के दौरान किसी बरामदगी की जानकारी सार्वजनिक नहीं की है।

प्रवर्तन निदेशालय के सूत्रों के अनुसार कार्रवाई का दायरा केवल सतीश जारकीहोली तक सीमित नहीं है। उनकी बेटी और कांग्रेस सांसद प्रियंका जारकीहोली से जुड़े परिसरों की भी जांच की जा रही है।

मंत्री को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के करीबी नेताओं में माना जाता है। ऐसे में उनके और परिवार से जुड़े परिसरों पर हुई कार्रवाई को राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस कार्रवाई को 24 जून की तलाशी से भी जोड़कर देखा जा रहा है। उस समय एजेंसी ने सतीश जारकीहोली के बहनोई वाई. मंजूनाथ के बेलगावी स्थित आवास समेत उनके करीबियों

बेंगलुरु, बेलगावी और महाराष्ट्र में एक साथ पहुंची जांच टीमें

मंत्री की सांसद बेटी से जुड़े परिसरों तक पहुंची जांच

और रिश्तेदारों से जुड़े परिसरों की जांच की थी। यह कार्रवाई विदेश में कथित अवैध धन भेजने से जुड़े मामले में हुई थी। एजेंसी ने बेंगलुरु, मैसूरु और अर्सिकेरे में भी तलाशी ली थी। हालांकि मौजूदा कार्रवाई को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने अभी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है।

ओखला में ऑक्सीजन सिलेंडर फटा, एक की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के ओखला फेज-1 इलाके में बुधवार दोपहर ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा हो गया। सामुदायिक भवन के पास हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल बताए गए हैं। धमाके की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और राहत-बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गए। घायलों को आपात चिकित्सा सेवा की एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल भेजा गया।

दिल्ली दमकल विभाग के अनुसार, करीब 11:55 बजे सिलेंडर फटने की सूचना मिली थी। इसके बाद चार दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। राहत दलों ने घटनास्थल पर स्थिति संभाली। हादसे के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने मौके का

चार घायल सामुदायिक भवन के पास मचा हड़कंप

विस्फोट की वजह तलाश रही पुलिस

निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल सिलेंडर में विस्फोट किस वजह से हुआ, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद हादसे के कारणों का पता चल सकेगा।

मोदी के 25 साल के सफर पर भाजपा का बड़ा अभियान

17 सितंबर से शुरू होगा महीनेभर चलने वाला सेवा संकल्प अभियान

जन्मदिन पर रक्तदान शाम को जलेंगे आशीर्वाद के दीप

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने और जन्मदिन के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प' अभियान चलाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में अभियान की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस दौरान देशभर में जनसेवा और कल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को रक्तदान शिविरों से होगी। इसी दिन शाम सात बजे 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भाजपा के अनुसार, विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित

परिवार प्रधानमंत्री के प्रति आभार जताने के लिए दीप जलाएंगे। पार्टी इसे सामूहिक जनआशीर्वाद के रूप में आयोजित करेगी।

अभियान के दौरान मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और केंद्र सरकार की योजनाओं की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने पर जोर रहेगा।

नितिन नवीन ने महिला सशक्तीकरण, गरीबी उन्मूलन, युवाओं, रोजगार, खेल और आर्थिक प्रगति से जुड़ी उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में बदलाव आया है और युवा अब रोजगार मांगने के साथ रोजगार देने वाले भी बन रहे हैं। अभियान के जरिए भाजपा इन उपलब्धियों को देशभर में लोगों तक पहुंचाएगी।

सीएमआरएल मामले पर केरल में सियासी घमासान तेज

माकपा ने जांच पर उठाए सवाल, कांग्रेस ने आरोप नकारे

कांग्रेस बोली, मामला राजनीतिक चंदे से अलग

यूनिक समय, नई दिल्ली। सीएमआरएल-एक्सालॉजिक मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के बाद केरल की राजनीति गरमा गई है। माकपा के राज्य सचिव एमवी गोविंदन ने आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसी पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, उनकी बेटी वीना टी और पीए मोहम्मद रियास को राजनीतिक निशाना बना रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि सीएमआरएल से जुड़े अन्य कथित वित्तीय लेन-देन की जांच क्यों नहीं की जा रही। कांग्रेस नेताओं ने माकपा के आरोपों को खारिज

करते हुए कहा कि सीएमआरएल-एक्सालॉजिक मामला सामान्य राजनीतिक चंदे का विषय नहीं है और कानून को अपना काम करने देना चाहिए। प्रवर्तन निदेशालय का दावा है कि सीएमआरएल ने वीना की कंपनी एक्सालॉजिक को परामर्श सेवाओं के नाम पर कथित तौर पर 2.78 करोड़ रुपये दिए। जांच में कंपनी से जुड़े अन्य वित्तीय लेन-देन भी सामने आने का दावा किया गया है। वहीं गोविंदन ने कांग्रेस और भाजपा के बीच समझौते का आरोप लगाते हुए कहा कि माकपा राजनीतिक और कानूनी स्तर पर इसका मुकाबला करेगी।

मसूद अजहर पर पाकिस्तान का दावा फिर सवालों के घेरे में

यूनिक समय, नई दिल्ली। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान का दावा एक बार फिर सवालों के घेरे में है। तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के इस दावे को खारिज कर दिया है कि अजहर अफगानिस्तान में रहकर संगठन संचालित कर रहा है। अफगान विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अजहर अफगानिस्तान में नहीं है। साथ ही स्पष्ट किया कि अफगान भूमि का इस्तेमाल किसी दूसरे देश के खिलाफ नहीं होने दिया जाएगा।

सत्य निकेतन हादसे के बाद अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

कमजोर इमारतों की पहचान कर नगर निगम ने शुरू की कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने रिकॉर्ड जांचने और सघन निरीक्षण के दिए निर्देश

यूनिक समय, नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में छह सितंबर को इमारत ढहने की घटना के बाद दिल्ली नगर निगम ने खतरनाक और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। हादसे वाली इमारत के पास मौजूद कमजोर भवन को बुधवार को गिराने की कार्रवाई शुरू की गई। शाहदरा के गीता कॉलोनी क्षेत्र में भी तीन मंजिला इमारत को ध्वस्त किया जा रहा है। लक्ष्मी नगर में एक पीजी के खिलाफ भी नगर निगम ने कार्रवाई की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नगर निगम

को अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कदम उठाने और जरूरत पड़ने पर बुलडोजर चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से सभी पीजी और छात्रावासों का सघन निरीक्षण कराने को कहा है। साथ ही भवनों के पुराने अभिलेख खंगालकर यह पता लगाने के निर्देश दिए गए हैं कि अनधिकृत निर्माण कब और किसके कार्यकाल में हुआ।

नगर निगम के अनुसार दिल्लीभर में अब तक 1,118 इमारतों की पहचान की जा चुकी है। पांच वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित भी किया गया है। सत्य निकेतन में भवन गिराने के दौरान मलबे से लगी आग पर पुलिस और निगम कर्मियों ने समय रहते काबू पा लिया।

दिल्ली पुलिस का चक्रव्यूह अभियान 81 फरार अपराधी गिरफ्तार

61 टीमों ने 48 घंटे में 175 मामलों की जांच की

हिमांशु भाऊ गिरोह के तीन शूटर भी दबोचे

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने फरार और घोषित अपराधियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाकर 81 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पश्चिमी जिले में 5 और 6 सितंबर को चलाए गए 48 घंटे के विशेष अभियान को 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' नाम दिया गया था। पुलिस की 61 टीमों ने दिल्ली और आसपास के इलाकों में एक साथ कार्रवाई की। अभियान के दौरान 175 आपराधिक मामलों को सुलझाने का दावा किया गया।

पुलिस के अनुसार अभियान में 149 घोषित अपराधियों का पता लगाया गया। इनमें 49 पहले से न्यायिक हिरासत में मिले, जबकि 19 की मृत्यु हो चुकी थी। इस बीच नरेला में संपत्ति कारोबारी की हत्या के मामले में हिमांशु भाऊ गिरोह के तीन कथित सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने घेराबंदी के दौरान गोलीबारी की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं। मुठभेड़ के बाद तीनों को पकड़ लिया गया। इनमें दो आरोपियों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

बीसीसीआई से सुप्रीम कोर्ट ने पूछा

खेल शासन कानून के दायरे में बीसीसीआई क्यों नहीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और राज्य क्रिकेट संघों को राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025 के दायरे में लाने को लेकर अहम सवाल उठाया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने बीसीसीआई से पूछा कि उसे नए कानून के तहत क्यों नहीं लाया जाना चाहिए। अदालत ने बोर्ड और राज्य संघों के पदाधिकारियों के कार्यकाल तथा सेवा शर्तों को भी कानून के दायरे में शामिल करने पर संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है।

अदालत ने सुनवाई के दौरान बीसीसीआई और राज्य क्रिकेट संघों

की ओर से पेश वकीलों से निर्देश लेकर अपना पक्ष स्पष्ट करने को कहा। इससे क्रिकेट प्रशासन में पारदर्शिता और पदाधिकारियों के कार्यकाल से जुड़े नियमों पर एक बार फिर बहस तेज हो गई है।

बीसीसीआई के कामकाज और सुधारों से जुड़ा मामला वर्ष 2014 से

अदालत ने क्रिकेट बोर्ड से पदाधिकारियों के कार्यकाल पर मांगा जवाब

2014 से लंबित मामले में फिर उठा सुधारों का मुद्दा

सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। इससे पहले अदालत ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश आरएम लोढ़ा की अध्यक्षता में समिति गठित कर क्रिकेट प्रशासन में सुधारों की सिफारिशें मांगी थीं। बाद में अदालत ने कई सिफारिशों को स्वीकार करते हुए बीसीसीआई की संरचना और कामकाज में बदलाव किए।

बीसीसीआई पदाधिकारियों के कार्यकाल को लेकर सितंबर 2022 में भी सुप्रीम कोर्ट ने अपने पुराने आदेश में बदलाव किया था। इसके तहत राज्य संघ और बीसीसीआई में कुल 12 वर्ष तक लगातार पद पर रहने की व्यवस्था की गई थी। राज्य स्तर पर छह और बीसीसीआई स्तर पर छह वर्ष के बाद तीन वर्ष की विश्राम अवधि का प्रावधान था। अब अदालत के सामने मुख्य सवाल यह है कि 2025 के राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम के प्रावधान बीसीसीआई और राज्य क्रिकेट संघों पर किस सीमा तक लागू होंगे।

बांके बिहारी मंदिर की व्यवस्थाओं पर अब कसेगा शिकंजा

यूनिक समय, मथुरा। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर की व्यवस्थाओं को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए उच्चस्तरीय प्रबंधन समिति ने सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। लक्ष्मण शहीद स्मारक स्थित समिति कार्यालय में अध्यक्ष- सेवानिवृत्त न्यायाधीश अशोक कुमार की अध्यक्षता में समिति की 19वीं बैठक हुई।

करीब दो घंटे चली बैठक में सात प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में मंदिर में निर्धारित पात्रता पूरी नहीं करने वाले लोगों को हटाने और भंडारियों की संख्या सीमित करने पर सहमति बनी। समिति ने मंदिर की व्यवस्थाओं में अनधिकृत रूप से मौजूद लोगों पर भी निगरानी बढ़ाने का निर्णय लिया। मंदिर में श्रद्धालुओं की ओर से भेंट किए गए चांदी के रथ, सिंहासन, सोने-चांदी की नौका, हाथी सूंड सिंहासन, सूर्यप्रभा और चंद्रप्रभा सिंहासन के उत्सवों में इस्तेमाल नहीं होने का मामला बैठक में प्रमुखता से उठा। इन वस्तुओं की स्थिति और उपयोग की पड़ताल के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है। इसमें नगर आयुक्त और एसएसपी को शामिल किया गया है। समिति सदस्य हिमांशु गोस्वामी ने जांच समिति में गोस्वामी समाज के एक सदस्य को भी शामिल करने की मांग रखी, ताकि जांच में संबंधित पक्ष की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। मंदिर के बैंक लॉकर में रखे करीब 50 लाख रुपये के पुराने नोटों की भी जांच कराने पर चर्चा हुई। समिति ने मंदिर की आय और दान से जुड़ी संपत्तियों और धनराशि के संबंध में स्पष्टता लाने पर जोर दिया। इसे मंदिर की वित्तीय व्यवस्थाओं में पारदर्शिता बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। मंदिर में लगातार फूलों की सजावट कराने के प्रस्ताव पर भी बैठक में मतभेद सामने आए। समिति सदस्य हिमांशु गोस्वामी ने कहा कि फूल बंगला सजाने की परंपरा चैत्र शुक्ल एकादशी से हरियाली अमावस्या तक रहती है। ऐसे में इसके अलावा अन्य समय में लगातार फूलों की सजावट कराना मंदिर की परंपराओं के अनुरूप नहीं है।

बैठक में सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश मुकेश मिश्रा, जिला-सत्र न्यायाधीश विकास कुमार, मुंसिफ न्यायाधीश प्रत्यूष आनंद मिश्रा, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एमवीडीए उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन., अधीक्षण पुरातत्वविद स्मिता एस. कुमार, शैलेंद्र गोस्वामी, रजत गोस्वामी, गोपेश गोस्वामी और हिमांशु गोस्वामी मौजूद रहे।

भंडारियों की संख्या सीमित, दान की वस्तुओं की जांच

पुराने नोट, कर्मचारियों के वेतन पर भी लिए फैसले

योगी की मोहर लगते ही हरकत में आया प्रशासन, विवादित जमीन की हुई पैमाइश

बुधवार को विवादित जमीन की नापजोख करते राजस्व कर्मचारी।

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर पालिका परिषद के वार्ड संख्या 23 के सभासद टिंकुर अग्रवाल की पैतृक जमीन पर भू-माफियाओं द्वारा किए गए अवैध कब्जे के मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय की मोहर लगते ही जिला प्रशासन हरकत में आ गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश के बाद बुधवार को राजस्व विभाग की टीम भारी पुलिस बल के साथ विवादित जमीन पर पहुंची और दोबारा पैमाइश कर नाप-जोख की। पैमाइश के दौरान राजस्व निरीक्षक कोसीकलां जगवीर सिंह, राजस्व निरीक्षक चौमुहां हरिश्चन्द्र, क्षेत्रीय लेखपाल प्रियांशु, लेखपाल योगेन्द्र सिंह, लेखपाल पंकज परिहार और लेखपाल सतेन्द्र मौजूद रहे। अधिकारियों ने जमीन के दस्तावेजों के आधार पर पैमाइश कर मौके की स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के भू-माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

गौरतलब है कि सभासद टिंकुर अग्रवाल ने अपनी निजी-पैतृक भूमि पर प्रभावशाली भू-माफियाओं द्वारा अवैध कब्जा करने का आरोप लगाते हुए 18 मई को मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजा था। जिस पर 10 जुलाई को मुख्यमंत्री कार्यालय से डीएम मथुरा को नियमानुसार कार्रवाई के आदेश दिए गए थे। पत्र में सभासद ने दर्द बयां करते हुए लिखा था कि जब एक निर्विरोध सभासद की सुनवाई नहीं हो रही है, तो आम जनता को न्याय कैसे मिलेगा। सभासद ने प्रशासन से मांग की है कि उनकी भूमि को जल्द से जल्द अवैध कब्जे से मुक्त कराया जाए और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। राजस्व अधिकारियों का कहना है कि पैमाइश रिपोर्ट जल्द ही डीएम को सौंपी जाएगी, जिसके बाद आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

भू-माफियाओं में मचा हड़कंप, राजस्व टीम ने कागजातों के आधार पर की नाप-जोख'

अभूतपूर्व होगा राधा रानी अलबेली सरकार का 77वां जन्मोत्सव

19 और 20 सितंबर को होंगे विशेष धार्मिक आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। राधाष्टमी पर्व को लेकर मथुरा-वृंदावन और बरसाना में तैयारियां तेज हो गई हैं। मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर जन्मोत्सव को भव्य-दिव्य स्वरूप देने के लिए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में श्रीकृष्ण जन्मभूमि के समीप स्थित राधा रानी अलबेली सरकार मंदिर में भी विशेष तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मंदिर में 19 और 20 सितंबर को राधा अष्टमी महोत्सव उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष राधा रानी अलबेली सरकार का 77वां जन्मोत्सव होने के कारण श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। साथ ही दर्शन, सुरक्षा, साफ-सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

महाविद्या स्थित मंदिर में विराजमान अलबेली सरकार राधारानी।

राधा अष्टमी पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान और भजन-कीर्तन होंगे। श्रद्धालुओं को राधा रानी के दिव्य स्वरूप के दर्शन कराए जाएंगे।

सर्वोदयी महिलाओं ने मनाया नंद उत्सव

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान महिला सभा द्वारा प्राचीन मंदिर ठाकुर श्री केशव देव में नंद उत्सव डॉ उमा शर्मा की अध्यक्षता में मनाया गया, जिसमें दर्जनों महिलाओं ने उषा गोस्वामी, रेखा के नेतृत्व में ठाकुर जी के सम्मुख सुंदर-सुंदर बधाई गाई गईं।

उषा गोस्वामी द्वारा लाला जायो अंगना में वेदन में सुन आई, रेखा द्वारा लाला जन्म सुन आई यशोदा मैया दे दो बधाई, डॉ. जमुना शर्मा द्वारा लाला झूले पालना मे यशोदा मैया दे दो बधाई। अन्य विप्र महिलाओं द्वारा सुंदर-सुंदर बधाई गई, प्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इससे पूर्व महिलाओं ने भगवान परशुराम और केशव देव के चित्रपट पर पुष्प अर्पित किए। शशि शर्मा द्वारा उपस्थित सभी महिलाओं को पटका पहनाकर कर स्वागत किया। नंद उत्सव में कल्पना सारस्वत, पूनम भार्गव, वंदना, तेलंगा, जसोदा अलका, मीरा, प्रिया, आशा, पुष्पा, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

नंदोत्सव के दौरान कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं।

नशे में बाइक चला रहे युवकों ने स्कूटी सवार से की मारपीट

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के गुरुषगंज कबाड़ा मंडी में बुधवार देर रात स्कूटी मोड़ने को लेकर हुए विवाद में मारपीट हो गई। आरोप है कि मोटरसाइकिल सवार युवकों ने शराब पी रखी थी। मिली जानकारी के अनुसार मौहल्ला खचेरावास, सैनी मोहल्ला निवासी भानु अपनी स्कूटी से जा रहा था। वह कबाड़ा मंडी के पास स्कूटी मोड़ रहा था, तभी सामने से आ रही मोटरसाइकिल सवार ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। पीड़ित का आरोप है कि मोटरसाइकिल पर सवार पन्नु कुरैशी निवासी मौहल्ला नाइवास, और उसके साथी ने शराब पी रखी थी। टक्कर लगते ही दोनों ने भानु को रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए हाथापाई शुरू कर दी। शोर सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए। मामला दो समुदायों से जुड़ा होने के कारण मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों पक्षों को अलग किया। थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष भानु सैनी की तहरीर पर आरोपी पन्नू कुरैशी और उसके साथी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। नशे में वाहन चलाने की भी जांच की जा रही है।

युवती लापता, पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

यूनिक समय, वृंदावन। ग्वालियर निवासी एक महिला ने अपनी 18 वर्षीय बेटी के लापता होने की रिपोर्ट वृंदावन थाने में दर्ज कराई है। महिला के अनुसार, एक सितंबर को वह ग्वालियर से वृंदावन आई थीं। बेटी और पापा वृंदावन स्थित मुरलीधर गेस्ट हाउस में ठहरे हुए थे। रात करीब एक बजे उनकी बेटी वहां से लापता हो गई। महिला के अनुसार, युवती का नाम कुशलका राजावत है और काफी तलाश के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका।

चोरों की तलाश को पुलिस खंगाल रही है सीसी फुटेज

यूनिक समय,मथुरा। चोरों ने जज कॉलोनी में पुलिस का पहरा रहने और पुलिस चौकी और दूसरे सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद चोरी की घटना को अंजाम देकर पुलिस को खुला चेलेंज कर दिया। अपर मुख्य न्यायाधीश के घर से चोर लाखों के जेवरात नकदी और सरकारी पिस्टल चोरी कर ले गए।

अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का परिवार जजेज कंपाउंड के आवास संख्या जे 09 में रहते हैं। जन्माष्टमी पर वह परिवार के साथ अपने घर रोहतक, हरियाणा गए थे।

छह सितंबर को दोपहर 11 बजे डिलवरी बॉय सामान देने उनके आवास पर पहुंचा। डिलीवरी बॉय ने उनके नंबर पर सूचना दी। इस मामले में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की पत्नी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना सदर बाजार में रिपोर्ट दर्ज कराई।

जज कंपाउंड में हुई चोरी की वारदात से अन्य आवासों में रहने वाले अधिकारियों के परिवार भी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। इतनी सुरक्षा के बाद भी कॉलोनी में चोरों ने किस तरह चोरी की आस-पास के किसी को पता तक नहीं लगा। पुलिस अब इस मामले में सीसी टीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। दो दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक पुलिस के चोरी करने वालों का कोई सुराग नहीं लग सका है।

कड़ी सुरक्षा के बीच चोरी पर दूसरे परिवार चिंतित

अनुशासनहीनता पड़ी भारी कोसी के वन रेंजर निलंबित

यूनिक समय, कोसीकलां। लापरवाही और अनुशासनहीनता बरतने पर कोसीकलां के वन रेंजर पर गाज गिरी है। प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वेंकट श्रीकर पटेल ने वन रेंजर वीरेंद्र सिंह बौहरा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन की कार्रवाई की रिपोर्ट मुख्यालय को भेज दी गई है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार, वन रेंजर वीरेंद्र सिंह बौहरा जून माह में तबादले पर मथुरा आए थे, जिसके बाद डीएफओ ने उन्हें कोसीकलां रेंज की जिम्मेदारी सौंपी थी। आरोप है कि तैनाती के बाद से ही वह लगातार लापरवाही बरत रहे थे। डीएफओ ने बताया कि वन रेंजर अकसर क्षेत्र से नदारद रहते थे। न तो वह विभागीय बैठकों में शामिल होते थे और न ही उच्चाधिकारियों के निरीक्षण और दौरे के दौरान मौजूद रहते थे। विभागीय कार्यों में भी रुचि नहीं ले रहे थे। इस संबंध में उनसे कई बार स्पष्टीकरण मांगा गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। निर्देशों की लगातार अवहेलना और अनुशासनहीनता को गंभीरता से लेते हुए उन्हें निलंबित करने की कार्रवाई की गई है।

छाता शुगर मिल गेट पर धरने को लेकर प्रशासन सख्त

यूनिक समय, छाता। छाता शुगर मिल के गेट पर पिछले कई दिनों से चल रहे धरना-प्रदर्शन को लेकर स्थानीय प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। प्रशासन की टीम ने धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन की अगुवाई कर रहे ललित कर्मयोगी उर्फ ललित फौजी और उनके सहयोगी जबर प्रधान को औपचारिक नोटिस सौंपा है।

एसडीएम छाता की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि पांच सितंबर को कलेक्ट्रेट सभागार में गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण की अध्यक्षता में हुई प्रेस वार्ता में छाता शुगर मिल परिसर में तीन चरणों में उत्तर प्रदेश का पहला मल्टी-यूज इथेनॉल प्लांट स्थापित किए जाने की घोषणा की गई थी। प्रशासन के अनुसार, यह परियोजना वर्षभर संचालित होगी, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार और लाखों किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

छाता शुगर मिल क गेट पर चल रहे धरने के दौरान नोटिस देता पुलिसकर्मी।

ललित कर्मयोगी और जबर प्रधान को नोटिस

नोटिस में प्रशासन ने कहा है कि सरकार की घोषणा के बाद धरने का औचित्य नहीं रह जाता। साथ ही, 13 अगस्त से बिना अनुमति चल रहे धरने को धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा वाले क्षेत्र में बताया गया है। प्रशासन ने पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने, नारेबाजी और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध का हवाला दिया है। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि आदेश का उल्लंघन होने पर संबंधित धाराओं में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, नोटिस मिलने के बाद ललित फौजी ने कहा कि धरना प्रशासन की अनुमति के बिना नहीं चल रहा है। उन्होंने बताया कि नोटिस का नियमानुसार लिखित जवाब जल्द सौंपा जाएगा।